Email : bulandmedia@gmail.com www.bulandmedia.in

बुलंद मीडिया

भिलाई, रायपुर, बिलासपुर, एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष : 1 | अंक : 32 | प्रात :कालीन दैनिक | भिलाई (दुर्ग), शनिवार 11 मई 2024 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 01/-

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों ने 12 नक्सलियों को मार गिराया, 4 माह में 103 नक्सली ढेर

बीजापुर मुठभेड़ में 2 जवान भी घायल हुए थे

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में शुक्रवार सुबह से चल रही मुठभेड़ खत्म हो गई है। सुरक्षाबलों ने 12 नक्सलियों को मार गिराया है। सभी के शव भी बरामद कर लिए गए हैं। सर्चिंग जारी है। वहीं मुठभेड़ के दौरान एसटीएफ और डीआरजी के दो जवान भी घायल हुए हैं। पिछले 4 माह में जवानों ने 103 से नक्सली ढेर किए हैं। जानकारी के मुताबिक, हार्डकोर नक्सली कमांडर लिंगा, बड़े लीडर्स का गंगालूर के पीडिया में जमावड़े की सूचना मिली थी। इसके बाद दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा तीन जिलों से फोर्स ने जॉइंट ऑपरेशन लॉन्च किया था। सुबह से ही छ्रञ्ज्ञ, स्ञ्जस्न छ्रञ्ज्ञ की कोबरा बटालियन समेत फोर्स के 1200 से ज्यादा जवानों ने इलाके को घेर रखा था। अफसरों के मुताबिक, नक्सलियों की पश्चिम बस्तर डिवीजन कमेटी के साथ जवानों की मुठभेड़ हुई है। डीआईजी कमलोचन कश्यप ने दैनिक भास्कर को बताया कि, नक्सलियों ने ञ्जरुदागा था, उसकी चपेट में एक जवान आया है, जबकि दूसरा जवान ढ्ढश्वष्ठ ब्लास्ट में घायल हुआ है। पश्चिम बस्तर डिवीजन का कमांडर है पापाराव पीडिया के मुठभेड़ में शामिल पश्चिम बस्तर डिवीजन का कमांडर नक्सली पापाराव ष्ठस्ह्रष्ट (दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी) मेंबर है। इस पर करीब 40 लाख रुपए से ज्यादा का इनाम घोषित है। करीब 2 लेयर की सुरक्षा में रहता है।

सीएम साय ने दी बधाई...

सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि, हम नक्सलवाद के खिलाफ मजबूती से लड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह भी चाहते हैं कि छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद समाप्त हो। डबल इंजन की सरकार है, नक्सलवाद को खत्म करने के लिए हमें केंद्र से पूरा सहयोग मिल रहा है। प्रदेश में इस साल जनवरी से अब तक बस्तर में हुई मुठभेड़ में जवानों ने 100 से ज्यादा नक्सलियों को मार गिराया है। कांकेर और नारायणपुर मुठभेड़ के अलावा 6 अप्रैल को छ्रत्र-तेलंगाना राज्य की सीमा पर मुठभेड़ हुई थी। इसमें 42 नक्सली मारे गए थे। वहीं, 2 अप्रैल को बीजापुर के करचोली में हुई मुठभेड़ में 13 नक्सली मारे गए। 5 अप्रैल को दंतेवाड़ा में हुए एनकाउंटर में 1 नक्सली ढेर हुआ था।

दसवीं बोर्ड की परीक्षा में कोपरा की बेटी प्रावीण्य सूची में

रायपुर, नगर सवंददाता।

फिंगेश्वर ब्लॉक के ग्राम कोपरा की बेटी होनिषा साहू पूरे ब्लॉक सहित प्रदेश स्तर में आज चर्चा में हैं क्योकि प्रदेश स्तर में प्रावीण्य सूची में उनका नाम आया हैं, क्योकि अधिकांश विद्यार्थियों सहित पूरे परिवार का ध्यान परीक्षा परिणाम में था, परीक्षा के परिणाम को लेकर अध्यनरत बच्चो की दिलो की धड़कन तेज थी और भगवान से अच्छे अंक प्राप्त होने की दुआ मांग रहे थे, पर ग्राम कोपरा सहित अंचल को गौरांवित करते हुए फिंगेश्वर विकासखंड के गांव की बेटी ने इतिहास रचा है। कु होनिषा साहू पिता नोहेश्वर राम साहू ने सरस्वती शिशु मन्दिर उच्चतर मध्यमिक विद्यालय कोपरा में अध्यनरत थी, होनिशा ने हाई स्कूल सर्टिफिकेट परिक्षा में 98.83त्न अंक प्राप्त कर मेरिट लिस्ट में प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त की जिससे घर , परिवार , विद्यालय अंचल सहित जिले का नाम रोशन किया। जिससे गांव में और घर में खुशी का माहौल है,

विद्यालय परिवार और घर वालो ने बताया की होनिषा बचपन से होनहार और पढ़ाई में काफी तेज थी। और यह साबित भी की है की अगर पढ़ाई का लगन हो गांव में रहकर भी पढ़ाई कर अच्छे अंक प्राप्त किए जा सकते है।

किरण पब्लिक स्कूल कुरूद में मीनाक्षी और रुद्राक्ष रहे प्रथम

रायपुर, नगर सवंददाता।

किरण पब्लिक स्कूल कुरूद में सीजी बोर्ड का परीक्षाफल शानदार रहा।12 वीं से मीनाक्षी गुप्ता ने 90.4 अंक हासिल कर प्रथम स्थान बनाया ,वहीं दसवीं में रुद्राक्ष देवांगन ने 90 प्रतिशत अंक के साथ पहला स्थान बनाया।दोनो ही बच्चे प्रारंभ से प्रतिभा के धनी रहे हैं। उनकी इस उपलब्धि पर उन्हें विद्या किरण शिक्षण समिति अध्यक्ष गोविंद मगर, सचिव गोपाल मगर, वनिता मगर,प्राचार्य सुश्री अंकिता सिंह, बीआर साहू, पोषण साहू, कुसुमलता साहू,सुप्रिया मैम, रवीना ध्रुव, गोपिका साहू, तामेश्वर कुर्रे ,तीरथ दीवान ,भगवान दास जोशी सहित पालकों और बच्चे ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

आदिवासियों का कल्याण सिर्फ भाजपा सरकार कर सकती है : साय

नवीन ने ओड़िशा के विकास के लिए नवीन कुछ नहीं किया : विष्णु देव साय, आदिवासियों का कल्याण सिर्फभाजपा सरकार कर सकती है : साय

ओड़िशा को चाहिए मोदी जी की अगुआई वाली डबल इंजन सरकार छत्तीसगढ़ की जनता ने समझी डबल इंजन सरकार की महत्ता, अब ओड़िशा की जनता भी चाहती है

रायपुर, नगर सवंददाता।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गुरुवार को ओडिशा के लक्ष्मीपुर में विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, यह लोकसभा चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को तीसरी बार देश की बागडोर सौंपने का चुनाव है। मोदी जी गरीब परिवार से आते हैं, इसलिए गरीबों की पीड़ा उन्हें पता है। मोदी जी 18 घंटे काम करते हैं। गरीबों को गैस सिलेंडर देने, घर बनाने, स्वच्छ पानी, उपचार की सुविधा, खाता खुलवाने से लेकर स्वच्छता शौचालय बनवाने का काम मोदीजी की सोच से संभव हुआ है। जम्मू एवं कश्मीर से अनुच्छेद 370 समाप्त करने के साथ देश को आतंकवाद से मुक्ति दिलाने का काम पिछले दस साल में हुआ है।

श्री साय ने कहा कि ओडिशा में खनिज और वन संपदा की कोई कमी नहीं है लेकिन फिर भी यहां गरीबों का जैसा कल्याण होना चाहिए वह नहीं हो पाया। उन्होंने कहा कि ओडिशा में भी डबल इंजन की सरकार बनानी होगी। यदि यहां राज्य में भी भाजपा की सरकार बनती है तो केंद्र सरकार की सभी योजनाएं अच्छे से क्रियान्वित होंगी।

सीएम साय ने कहा कि डबल इंजन की सरकार होने से काफी लाभ होता है। छत्तीसगढ़ में 15 साल भाजपा की सरकार थी, लेकिन पांच साल के लिए कांग्रेस ने सत्ता संभाली तो भ्रष्टाचार को जमकर बढ़ावा मिला। तीन महीने पहले आई भाजपा सरकार ने एक बार फिर विकास कार्यों को गति दे रही है। डबल इंजन की सरकार ने किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। उन्होंने विशाल विजय संकल्प रैली में पहुंचे लोगों से आह्वान किया कि 13 मई को लोकसभा और विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों को आशीर्वाद प्रदान करें। डबल इंजन की सरकार बनाएं।

ख़राब मौसम के बावजूद सभा लेने पहुंचे मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ख़राब मौसम के बाद भी सभा लेने पहुंचे। उन्होंने कहा कि ख़राब मौसम के कारण मौसम विभाग हेलीकॉप्टर उड़ाने की अनुमति नहीं दे रहा था। लेकिन सब कुछ भगवान जगन्नाथ पर छोड़कर वे यहाँ पहुंचे। श्री साय ने डेढ़-दो घंटे विलम्ब होने पर जनता से माफ़ी भी मांगी।

जनसभा में लोकसभा भाजपा प्रत्याशी कालेराम माझी, लक्ष्मीपुर विधानसभा के प्रत्याशी कैलाश कुलसिका, छत्तीसगढ़ के कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप तथा विधायक पुरंदर मिश्रा भी उपस्थित रहे।

भाटापारा की छात्रा अदिती साहू ने हायर सेकेण्डरी परीक्षा में टॉप टेन में जगह बनाकर नगर व परिवार को गौरवान्वित किया

रायपुर। छत्तीसगढ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा गुरूवार को हायर सेकेण्डरी 12 बोर्ड के घोषित किये गये नतीजे मे भाटापारा शहर की छात्रा अदिती साहू ने टॉप टेन की लिस्ट मे छठवां रैक हासिल कर नगर स्कूल व परिवार का नाम रौशन किया है। आदिती साहू की सफ्लता पर क्षेत्र मे हर्ष का माहौल है व लोगों ने उन्हे उनकी सफ्लता पर बधाई प्रेषित की है। आदिती साहू ने स्वामी आत्मानंद शिवलाल मेहता हायर सेकेण्डरी स्कूल अंग्रेजी माध्यम के वांणिज्य संकाय मे अध्ययन करते हुये कुल 500 अंको मे 479 अंक प्राप्त कर परीक्षा उर्तीण की है। अपनी सफलता पर अदिती साहू का कहना है कि उनके माता तथा स्कूल के प्रभारी प्राचार्य केशव देवांगन, लक्ष्मीकांत गबेल, पूर्णिमा वर्मा, संतोषी मानिकपुरी एवं ऐश्वर्या सर्राफ का मार्गदर्शन विशेष रूप से सराहनीय रहा है जिनके मार्गदर्शन मे वे लगातार अध्ययन कर इस मुकाम पर पहुंची है। अदिती साहू के द्वारा बोर्ड परीक्षा की

सभी संभागों में फिर बारिश के आसार

गरज-चमक के साथ अंधड़ भी चलेगी, तापमान सामान्य 4 से 5 डिग्री तक गिरा

रायपुर, नगर सवंददाता।

छत्तीसगढ़ में रायपुर, बिलासपुर समेत सभी संभागों में गरज-चमक के साथ अंधड़ और बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग ने यलो अलर्ट भी जारी किया है। प्रदेश के आस-पास अब भी तीन सिस्टम सक्रिय हैं। रायपुर में सुबह से बादल छाए हुए हैं। तेज हवा भी चल रही है।

पिछले 24 घंटे से दिन और रात का तापमान सामान्य 4 से 5 डिग्री तक कम है। पारा कम होने के कारण ही दिन में गर्मी से राहत है। रात में भी उमस परेशान नहीं कर रही।

की गई है।

मौसम विभाग की ओर से जारी रिपोर्ट के छत्तीसगढ़ का मौसम बदला हुआ है। शुक्रवार से मौसम साफ होने के बाद तापमान में बढ़ोतरी शुरू होगी। उसके बाद ही प्रदेश में गर्मी लोगों को परेशान करेगी।

राज्य के सभी जिलों में अभी तापमान 40 डिग्री से कम चल रहा है। बुधवार को राज्य में सबसे अधिकतम तापमान 39.8 डिग्री डोंगरगढ़ में दर्ज किया गया है। सबसे कम तापमान जगदलपुर में 34 डिग्री रिकॉर्ड किया गया है। दुर्ग में तापमान 35 डिग्री है लेकिन ये सामान्य से 7 डिग्री कम है।

चुनाव के प्रचार के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने महाराष्ट्र के नंदूरबार में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा

नकली शिवसेना मुझे जिंदा गाड़ना चाहती है

कांग्रेस कहती है कि मोदी तेरी कब्र खुदेगी, ये गाली देते हुए भी तुष्टिकरण करते हैं

नंदूरबार। लोकसभा चुनाव के प्रचार के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने महाराष्ट्र के नंदूरबार में चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा- नकली शिवसेना वाले मुझे जिंदा गाड़ने की बात कर रहे हैं। एक तरफ कांग्रेस है, जो कहती है कि मोदी तेरी कब्र खुदेगी। दूसरी तरफ नकली शिवसेना मुझे जिंदा गाड़ने की बात करती है। मुझे गाली देते हुए भी ये लोग तुष्टिकरण का पूरा ध्यान रखते हैं। इसके अलावा मोदी ने आरक्षण के मुद्दे पर भी चर्चा की। मोदी ने कहा- मैं 17 दिन से कांग्रेस को चुनौती दे रहा हूं। मैंने कांग्रेस से कहा है कि वो लिखकर बताए कि वो SC-ST और OBC के आरक्षण के टुकड़े नहीं करेंगे। और न ही मुसलमानों में बाटेंगे। मेरे सवाल का कांग्रेस ने अब तक जवाब नहीं दिया है। इसका मतलब कांग्रेस का हिडन एजेंडा आपका हक लूटना है। मेरे इस चैलेंज पर कांग्रेस की चुप्पी का मतलब दाल में कुछ काला है।

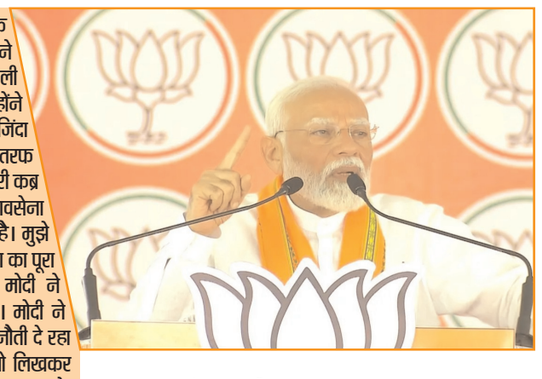

जिनका रंग भगवान कृष्ण जैसा, कांग्रेस उन्हें अफ्रीकन मानती है

कांग्रेस के शहजादे के गुरु अमेरिका में रहते हैं। उन्होंने भारत के लोगों पर रंगभेदी टिप्पणी की है। जिनका रंग भगवान कृष्ण जैसा होता है, कांग्रेस उन्हें अफ्रीकन मानती है। इसलिए द्रौपदी मुर्मू जी का राष्ट्रपति बनना उन्हें मंजूर ही नहीं था। शहजादे के गुरु ने अमेरिका से कहा है कि राम मंदिर का निर्माण और रामनवमी का उत्सव भारत के विचार के खिलाफ है।

आरक्षण पर कांग्रेस का हाल चोर मचाए शोर जैसा

आरक्षण पर कांग्रेस का हाल चोर मचाए शोर वाला है। धर्म के आधार पर आरक्षण बाबा साहेब की भावना के खिलाफ है। संविधान की भावना के खिलाफ है, लेकिन कांग्रेस का एजेंडा है- दलित, पिछड़े, आदिवासी का आरक्षण छीनकर अपने वोटबैंक को देना।

कांग्रेस गरीबों के खिलाफ है

कांग्रेस वाले इतने अहंकार से भरे हुए हैं कि गरीब इनके लिए कोई मायने नहीं रखता। आज ये गरीब का बेटा आपका सेवक बनकर जब प्रधानमंत्री पद पर काम कर रहा है तो ये गरीब विरोधी मानसिकता वाले, शाही परिवार की मानसिकता वाले इसे बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं।

शरद पवार हार से हताश हुए

महाराष्ट्र के एक दिग्गज नेता बारामती में चुनाव के बाद हताश हो गए हैं। उनको लगता है कि अगर 4 जून के बाद राजनीतिक जीवन में टिके रहना है, तो छोटे-छोटे दलों को कांग्रेस में विलय कर लेना चाहिए। इसका मतलब है कि नकली NCP और नकली शिवसेना ने कांग्रेस में मर्जर करने का मन बना लिया है। उन्होंने अब समाज में जहर घोलना शुरू कर दिया है।

प्रियंका गांधी ने भाजपा पर साधा निशाना, पूछा-

भारत में चुनाव तो पाकिस्तान की चर्चा क्यों

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर का एक वीडियो सामने आने बाद भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस को घेर लिया है। सत्तारूढ़ दल के आरोपों के जवाब में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भाजपा पर ही निशाना साधते हुए कहा है कि जब भारत में चुनाव चल रहे हैं, तो पाकिस्तान की बातें क्यों की जा रही हैं? उन्होंने कहा कि इस समय देश में बेरोजगारी दर 45 सालों में सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है और मुद्दे पर बात ही नहीं हो रही।

पुराने बयान को अब क्यों मुद्दा बनाया गया?- प्रियंका गांधी

मणिशंकर अय्यर के बयान पर छिड़े विवाद पर प्रियंका ने कहा 'मेरा सवाल है कि यह बयान कब दिया गया था? एक पुराने बयान को आखिर क्यों अब मुद्दा बनाया जा रहा है? जब चुनाव भारत में हो रहे हैं तो पाकिस्तान की बातें क्यों की जा रही हैं? कांग्रेस महासचिव ने कहा कि भाजपा द्वारा हर बार चुनाव में हिंदू-मुस्लिम से जुड़े मुद्दे उठाए जाते हैं, जिससे जनता परेशान हो चुकी है।

नेशनल लोक अदालत विषय पर हुई चर्चा, प्रकरणों पर बनी सहमति

संवाददाता, सीधी।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के अध्यक्ष संजीव कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में वर्ष 2024 में आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालतों के क्रम में वर्ष की दूसरी नेशनल लोक अदालत का आयोजन 11 मई 2024 को जिला न्यायालय सीधी तथा सिविल न्यायालय चुरहट, रामपुर नैकिन एवं मझौली में किया जायेगा। 11 मई 2024 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण हेतु 09 मई 2024 दिन मंगलवार को प्रधान जिला न्यायाधीश संजीव कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में तथा विशेष न्यायाधीश एवं प्रभारी अधिकारी नेशनल लोक अदालत श्रीमती रमा जयंत मित्तल की अध्यक्षता में समस्त मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, बीमा कंपनी के अधिवक्तागण तथा आवेदक अधिवक्तागण के साथ प्रीसिटिंग बैठक का आयोजन किया गया।

उक्त बैठक में प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय सुधीर सिंह चौहान, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बृजेन्द्र सिंह, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण वीरेन्द्र जोशी, प्रथम जिला न्यायाधीश मुकेश कुमार, द्वितीय जिला न्यायाधीश राजेश कुमार श्रीवास्तव, तृतीय जिला न्यायाधीश विकास चौहान, तृतीय अतिरिक्त जिला न्यायाधीश सुश्री उर्मिला यादव, जिला विधिक सहायता अधिकारी सिद्धार्थ शुक्ला, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल देवेन्द्र प्रसाद मिश्रा, अधिवक्तागण राजेन्द्र सिंह परिहार, शीतला प्रसाद गुप्ता, राजेन्द्र यादव, अरविंद कुमार गोस्वामी, आशीष गुप्ता, उत्तम सिंह चौहान, अन्य अधिवक्तागण सहित जिला न्यायालय के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

अपराध 25 अप्रैल को पवन शाह की हुई थी हत्या, लंघाडोल पुलिस ने किया खुलासा

हत्या के दो आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता, सीधी।

बीते 25 अप्रैल 2024 को लंघाडोल थाना क्षेत्र के झलरी ग्राम में आयोजित एक वैवाहिक कार्यक्रम में बाराती के रूप में गए कोतवाली थाना क्षेत्र बैढ़न के गड़हरा निवासी पवन कुमार शाह उम्र 22 वर्ष की हत्या के प्रकरण में पुलिस ने गत बुधवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, इन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। यह घटना शादी समारोह के समय डीजे पर मनपसंद गाना बजाने को लेकर जन्मे विवाद के कारण हुआ था। वहाँ पवन साहू की बेरहमी से पिटाई होने के कारण मौत हो गई थी।

पूरा घटनाक्रम

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम गड़हरा से लंघाडोल थाना क्षेत्र के झलरी गांव में 25 अप्रैल को बारात गई थी। द्वारचार के दौरान पवन कुमार शाह पिता भगवानदास शाह उम्र 22 वर्ष डीजे में अपने पसंद का गाना बजाने के लिए अड़ गया था। इसी बात को लेकर बारातियों से विवाद हो गया। घराती पक्ष के युवकों द्वारा पवन कुमार की जमकर पिटाई कर दी गई जिससे उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध भादवि की धारा 302, 34 के तहत अपराध पंजीबद्ध करते हुये विवेचना की और एक बाल अपचारी एवं प्रधान सिंह पिता बेचन सिंह गोंड उम्र 20 वर्ष को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से बाल अपचारी को बाल सुधार गृह केन्द्र रीवा एवं आरोपी प्रधान सिंह को न्यायालय पेश करने के बाद पचौर जेल भेज दिया गया।

उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी लंघाडोल पुष्पेन्द्र धुर्वे, एएसआई शेषमणि ताडिंया, प्रधान आरक्षक राजकुमार प्रजापति, रामनाथ सिंह, संतोष केवट, आरक्षक महेन्द्र चौरसिया, आबिद कुरैशी, संपत सिंह, ज्ञान सिंह एवं दिवाकर सिंह की भूमिका सराहनीय रही।

नेशनल लोक अदालत का प्रधान जिला न्यायाधीश करेंगे शुभारंभ

संवाददाता, सीधी।

जिला न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने जानकारी देकर बताया है कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार 11 मई 2024 को इस वर्ष की दूसरी नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय सीधी तथा सिविल न्यायालय चुरहट, रामपुर नैकिन एवं मझौली में किया जायेगा।

उन्होंने बताया कि 11 मई 2024 समय 10:30 बजे ए.डी.आर. सेंटर (मीटिंग हॉल) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला न्यायालय परिसर सीधी में नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ प्रधान जिला न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के द्वारा किया जावेगा।

पुलिस ने बच्ची को किया दस्तयाब

संवाददाता, सीधी।

पुलिस अधीक्षक सिंगरौली निवेदिता गुप्ता के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा के परिवेक्षण में आशीष जैन पुलिस उपखंड अधिकारी चितरंगी तथा थाना प्रभारी गढ़वा अनिल कुमार पटेल के मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी नौडिहवा को मिली बड़ी सफलता।

सूचना करता धनेश कोल पिता बृजलाल कोल उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम क्योटली घटना दिनांक 28 फरवरी 2024 को पुलिस चौकी में उपस्थित होकर लेखा कराया था । कि 22 फरवरी 2024 की रात्रि में मेरी लड़की बिना किसी को बताएं घर से चली गई थी।

आसपास के क्षेत्र में पता तलाश किया गया परंतु कहीं पता नहीं चला रिपोर्ट पर थाना गढ़वा में अपराध क्रमांक 77/2024 धारा 363 भादवी का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया विवेचना के दौरान अपहर्ता लड़की को उत्तर प्रदेश से दस्तयाब किया गया एवं सुरक्षित परिजनों को सुपुर्द किया गया।

आपदा प्रबंधन बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित

संवाददाता, सीधी।

कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला ने अतिवर्षा, बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए पूर्व तैयारी के लिए कलेक्टर कार्यालय के डिस्ट्रिक्ट कंट्रोल एंड कमांड सेंटर में जिला आपदा प्रबंधन बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना की है। जिसका कार्यालय दूरभाष नंबर 07805234042 है। जिला आपदा बाढ़ नियंत्रण कक्ष के प्रभारी अधीक्षक भू-अभिलेख सुवेन्द्र सिंह को बनाया गया है। कलेक्टर श्री शुक्ला के द्वारा जिला आपदा प्रबंधन बाढ़ नियंत्रण कक्ष में तीनों पालियो के लिए अधिकारियो कर्मचारियो की भी तैनाती की गई है।

छात्रवृत्ति स्वीकृत व वितरण की समीक्षा बैठक संपन्न

संवाददाता, सीधी।

जनजातीय अनुसंधान एवं विकास संस्थान, भोपाल के संयुक्त संचालक,अवनीश कुमार चतुर्वेदी, के नेतृत्व में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक शासकीय अग्रणी राज नारायण स्मृति मधु विद्यालय बैढ़न के सभाकक्ष में हुई, जिसमें शिक्षा से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बैठक का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालयीन एवं विद्यालयीन कार्यक्रमों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा और समाधान खोजना था। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों के प्राचार्यों, संकुल प्राचार्यों, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग, समयक संचालक पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, और जिला शिक्षा अधिकारी जैसे कई उच्चाधिकारियों ने भाग लिया।

पिरामल फाउंडेशन के प्रतिनिधि अशोक सिंह, नीरज सिंह, सहायक संचालक शिक्षा कविता और आरडी साकेत जी जैसे गणमान्य व्यक्तियों ने भी बैठक में भाग लिया।

बैठक के दौरान, श्री चतुर्वेदी सर ने एमपी टास्क के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की और शिक्षा के क्षेत्र में नई दिशा-निर्देशों को लागू करने पर जोर दिया। उन्होंने प्राचार्यों के साथ वन-टू-वन चर्चा कर उनकी समस्याओं को सुना और समाधान सुझाए। सहायक संचालक शिक्षा कविता द्विवेदी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि हम सब मिलकर टीम भावना से इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करेंगे। पिरामल फाउंडेशन के प्रतिनिधि श्री अशोक सिंह ने भी इस कार्य में अपने स्तर से पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। बैठक के समापन के अवसर पर योजना अधिकारी श्री कविता जी ने सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया और कहा कि हम सभी के संयुक्त प्रयास से शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेंगे।

ब्रीफ न्यूज

पुलिस लाईन से आरक्षक की बाईक चोरी

गुना। शहर के कैंट थानांतर्गत पुलिस लाईन में रहने वाले एक आरक्षक की बाईक उसी के क्वार्टर के सामने से चोरी हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी सुधीर बाथम पिता गंगाराम बाथम निवासी शासकीय आवास ई-4 नई पुलिस लाइन ने कैंट थाने में शिकायत दर्ज कराई कि वह पुलिस लाइन गुना में आरक्षक के पद पर पदस्थ है। गत दिवस वह दोपहर में ड्यूटी से अपने निवास पर मोटर सायकिल क्रमांक 08-7358 से पहुंचा था। यहां उसने अपनी बाईक अपने क्वार्टर के सामने खड़ी कर दी थी। इसके बाद वह अपने कमरे में चला गया था। शाम को पुनः ड्यूटी के लिए 6 बजे बाहर निकला तो देखा कि तो उसकी बाईक थी। जिसे उसने आसपास काफी तलाश किया, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। जिसे कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। मामले में पुलिस ने आरक्षक की शिकायत पर अज्ञात चोर पर मामला दर्ज किया है।

सट्टा पर्ची काटते हुए सटोरिया दबोचा

गुना। शहर की कैंट पुलिस द्वारा गुलाबगंज क्षेत्र से सट्टा पर्ची काटते हुए एक सटोरिए को पुलिस ने दबोचा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति अपने घर के सामने गुलाबगंज रोड पर सट्टा अंक पर्ची लिख रहा है। उक्त सूचना पर पुलिस ने मौके पर दबिश देकर सट्टा पर्ची काट रहे विनोद कुशवाह पुत्र गोपाल सिंह कुशवाह निवासी गुलाबगंज को पकड़ा। जिसके पास से पुलिस ने तीन सट्टा अंक लिखी पर्ची एवं नगदी 850 रुपए बरामद किए। पुलिस ने सटोरिए पर धारा 4(क) द्युत क्रीडा अधिनियम के तहत कार्रवाई की।

घायल बैल का डॉक्टर की टीम द्वारा किया सफलतापूर्वक इलाज

गुना। उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं द्वारा दी गयी जानकारी अनुसार गुरुवार प्रातः 8 बजे सूचना प्राप्त हुई कि बूढ़े बालाजी के पास गुना हाईवे पर किसी अज्ञात वाहन द्वारा एक बैल का एक्सीडेंट हो गया था तथा बैल के पेट में बहुत बड़ा घाव हो गया था। जिसकी सूचना पर तुरंत घायल बैल को पशु चिकित्सालय हाट रोड लाया गया। उक्त बैल का 7 डॉक्टरों की टीम द्वारा 02 घंटे तक सफलतापूर्वक

जनपद उपाध्यक्ष ने कलेक्टर एवं सिविल सर्जन को पत्र लिख कर की जांच की मांग

अज्ञात बीमारी से भरतपुर में हो रहे है विकलांग

संवाददाता, सीधी।

जिले के जनपद पंचायत रामपुर नैकिन के अन्तर्गत ग्राम भरतपुर में अज्ञात बीमारी से एक ही परिवार के दो पीढ़ी के लोग विकलांग हो गये है। अज्ञात बीमारी का पता लगाने एवं पीड़ित परिवार के अन्य सदस्यों को विकलांग होने से बचाने के लिए जनपद पंचायत रामपुर नैकिन के उपाध्यक्ष ऋषिराज मिश्रा ने कलेक्टर एवं सिविल सर्जन जिला हास्पिटल सीधी को पत्र लिखकर जांच कराने की मांग किये थे। जिस पर सिविल सर्जन के द्वारा संबंधित विकलांग व्यक्तियों को पत्र लिख कर जिला मेडिकल वोर्ड के सामने उपस्थित होने के लिए 3 बार नोटिस जारी की गई थी। किन्तु संबधित विकलांग व्यक्ति मेडिकल वोर्ड के समक्ष परीक्षण कराने के लिए नही आये। इस संबंध में मीडिया को जानकारी देते ऋषिराज मिश्रा उपाध्यक्ष जनपद पंचायत रामपुर नैकिन ने बताया कि ग्राम भरतपुर निवासी राकेश पाण्डेय पिता स्व. गणेश पाण्डेय की पत्नी श्रीमती रमा पाण्डेय प्राथमिक शिक्षक माध्यमिक शाला खरहना, वर्ष 1998 में एवं भाई प्रकाश पाण्डेय जन शिक्षक शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भरतपुर वर्ष 2004 में अज्ञात बीमारी से विकलांग हो गये है। जबकि इसके पूर्व पूर्णतः स्वास्थ्य थे। इसी तरह अज्ञात बीमारी से राकेश पाण्डेय के पुत्र एवं पुत्री भी विकलांग हो गए हैं। राकेश पाण्डेय के पुत्र एवं पुत्री ने विकलांग कोटे से अपनी कानूनी पढ़ाई की है। जिसका प्रमाण रायपुर एवं गोहाटी असम कालेज से मिले प्रमाण से इस बात की जानकारी हुई कि राकेश पाण्डेय की दूसरी पीढ़ी भी अज्ञात बीमारी का शिकार हो कर विकलांग हो गई है। श्री मिश्रा ने बताया कि एक जन प्रतिनिधि होने के नाते यह मेरा दायित्व बनता है कि अज्ञात बीमारी से विकलांग होने वाले परिवार की आगे की पीढ़ी को विकलांग होने से बचाया जाये। इस कारण मेरे द्वारा कलेक्टर सीधी एवं सिविल सर्जन जिला हास्पिटल सीधी को पत्र लिख कर पूरे मामले की जांच की मांग की गई है। जिससे इस बात का पता लगाया जा सके कि आखिर किस अज्ञात बीमारी के चलते एक ही परिवार के चार-चार लोग विकलांग हो गये हैं। उन्होंने बताया कि सिविल सर्जन जिला हास्पिटल सीधी के द्वारा तीन बार राकेश पाण्डेय की पत्नी श्रीमती रमा पाण्डेय, भाई प्रकाश पाण्डेय एवं राकेश पाण्डेय की पुत्री को पत्र लिखकर जिला मेडिकल बोर्ड के समक्ष हाजिर होने के लिए पत्र लिखा गया था, किन्तु कोई भी व्यक्ति परिक्षण हेतु जिला मेडिकल वोर्ड के समक्ष प्रस्तुत नही हुये। श्री मिश्रा ने बताया कि जिला शिक्षा अधिकारी भी संकुल प्रभारी भरतपुर को पत्र लिख कर प्राथमिक अध्यापक श्रीमती रमा पाण्डेय एवं जनशिक्षक भरतपुर को जिला मेडिकल वोर्ड मे मेडिकल परिक्षण हेतु उपस्थित होने के लिए निर्देश दिये गये थे किन्तु श्रीमती रमा पाण्डेय एवं प्रकाश पाण्डेय उपस्थित नही हुये। उन्होंने बताया कि सिविल सर्जन एवं जिला शिक्षा अधिकारी सीधी के निर्देश के बाद भी अज्ञात बीमारी से विकलांग हुये लोग मेडिकल परीक्षण के लिए सीधी नही आ रहे है। उक्त विकलांग व्यक्ति आखिर किस अज्ञात बीमारी से विकलांग हुये हैं यह मेडिकल परीक्षण के बाद ही पता चलेगा। आखिर संबंधित व्यक्ति किस डर से मेडिकल परीक्षण कराने नही आ रहे है। यह सोचनीय विषय है। आखिर कब तक अज्ञात बीमारी को छिपाते रहेगें अगर इसी तरह चलता रहा है तो इनकी तीसरी पीढ़ी भी विकलांग हो सकती है। ऋषिराज मिश्रा ने सिविल सर्जन एवं कलेक्टर सीधी से मांग की है कि राकेश पाण्डेय के घर भरतपुर मेडिकल टीम भेज कर, इस बात का पता लगाया जाये कि आखिर उनके परिवार के सदस्य कैसे विकलांग हो रहे है और उसका समुचित उपचार एवं कार्यवाही की जाये।

इनका कहना है

जनपद पंचायत रामपुर नैकिन के उपाध्यक्ष ऋषिराज मिश्रा ने मुझे पत्र लिख कर श्रीमती रमा पाण्डेय पति राकेश पाण्डेय, प्रकाश पाण्डेय पिता गणेशमणि पाण्डेय एवं राकेश पाण्डेय की पुत्री ग्राम सगौनी, पोस्ट भरतपुर के विकलांग प्रमाण पत्र की जांच की मांग की थी। जिसकी जांच की गई तो राकेश पाण्डेय की पुत्री का विकलांग प्रमाण पत्र जिला मेडिकल वोर्ड सीधी से जारी होना पाया गया जो कि फर्जी थी।

इस कारण मेरे द्वारा मेडिकल वोर्ड में परीक्षण कराने हेतु तीनों व्यक्तियों को दो बार पत्र लिखा किन्तु उक्त विकलांग व्यक्ति मेडिकल वोर्ड के समक्ष उपस्थित नही हुये। एक बार और नोटिस भेज कर मेडिकल वोर्ड के समक्ष उपस्थित होने का अनुरोध किया जायेगा। उपस्थित नही होने पर विकलांग प्रमाण पत्र निरस्त करने की एक तरफा कार्यवाई की जायेगी।

डॉ. एसबी खरे, सिविल सर्जन जिला हॉस्पिटल सीधी

जनपद पंचायत रामपुर नैकिन के उपाध्यक्ष ऋषिराज मिश्रा ने कलेक्टर को पत्र लिख कर माध्यमिक शाला शिक्षक श्रीमती रमा पाण्डेय पति राकेश पाण्डेय, जन शिक्षक भरतपुर प्रकाश पाण्डेय पिता गणेशमणि पाण्डेय के मेडिकल प्रमाण पत्र की जांच कराने की शिकायत की जिस पर मेरे द्वारा संकुल प्राचार्य भरतपुर को पत्र लिख कर उक्त दोनों शिक्षकों को परीक्षण हेतु जिला मेडिकल वोर्ड में उपस्थिति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये थें। साथ ही सिविल सर्जन को भी पत्र लिख कर उक्त शिक्षकों के मेडिकल वोर्ड में विकलांगता का परीक्षण करने का अनुरोध किया था। आगे मुझे जानकारी नही है कि क्या हुआ पता कर, मेडिकल परीक्षण कराया जायेगा।

डॉ. पीएल मिश्रा जिला शिक्षा अधिकारी सीधी

राष्ट्रीय राज मार्ग 135 सी में सत्यापन पश्चात न करे निर्माण - एसडीएम

संवाददाता, सीधी।

राष्ट्रीय राज मार्ग 135 सी प्रयागराज उत्तर प्रदेश से सिंगरौली चितरंगी मध्यप्रदेश मार्ग का सत्यापन कार्य तेजी से चल रहा है उसी तरह मुआवजा के चक्कर में मकानों के निर्माण में होड़ लगी हुई है।

जिसके संबंध में उपखंड अधिकारी चितरंगी सुरेश जादव में आम सूचना जारी किया है । आम सूचना के संबंध में जो पत्र जारी किया है की राष्ट्रीय राज मार्ग 135 सी की चैनेज संख्या 0 + 000 से 70 + 100 किलोमीटर के उन्नयन एव निर्माण कार्य हेतु तहसील चितरंगी एव तहसील दुधमनिया के 32 ग्रामों की भूमि अधिग्रहण हक हेतु राष्ट्रीय राज मार्ग अधिनियम 1956 की धारा 3 क की उपधारा के अंतर्गत अधिसूचना जारी की गई है। जिसका प्रकाशन प्रिंट मीडिया के कई अखबारों में किया जा चुका है। कुल 32 ग्रामों की अधिसूचना में प्रकाशित भूमियों के लिए वर्तमान में परिसंपत्तियों का सत्यापन का कार्य संयुक्त दल द्वारा प्रचलन में है। यह तथ्य संज्ञान में आया है की कुछ लोगो द्वारा राष्ट्रीय राज मार्ग से प्रभावित भूमियों पर अनुचित मुआवजा के उद्देश्य से मकानों का निर्माण किया जा रहा है। जिससे भारत सरकार एव परियोजना को आर्थिक क्षति होने की संभावना है। सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की राष्ट्रीय राज मार्ग 135 सी में अधिसूचना में प्रकाशित अधिग्रहण से प्रभावित भूमियों पर किसी प्रकार का नवीन निर्माण न किया जावे अधिसूचना के प्रकाशन उपरांत निर्मित नवीन भवनों आदि का मुआवजा प्रदाय नही किया जाएगा।

कोई भी पात्र हितग्राही जन मन योजना के लाभ से वंचित न रहेः-कलेक्टर

संवाददाता, सीधी।

कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला के निर्देशन में एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेन्द्र सिंह नागेश के देख रेख मे जन मन योजना के तहत बैगा परिवारो को शासन की जन कल्याणकारी योजनाओ से लाभान्वित कराने हेतु चिन्हित पंचायतो में शिविर आयोजित कर योजनाओ का लाभ दिया जा रहा है।

जिसमें एक ही छत के नीचे पात्र हितग्राहियो का आधार कार्ड, राशन कार्ड, जाति प्रमारण पत्र, पीएम किसान योजना, जाति प्रमाण पत्र, बैक खाते, केसीसी का लाभ दिया जा रहा है। कलेक्टर श्री शुक्ला ने किये जा रहे कार्यो के प्रगति की समीक्षा लेने के पश्चात निर्देश दिये कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रति दिवस की प्रगति संतोष जनक नही है। संबंधित क्षेत्रो के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत अपने अपने स्तर से बैठक आयोजित कर समीक्षा करे।तथा चल रहे शिविर का मानीटरिंग किया जाना भी सुनिश्चित करे। कलेक्टर ने कहा कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दास्त नही की जायेगी।जिन अधिकारी कर्मचारियो की शिविर में ड्यूटी लगी है वे निर्धारित समय पर शिविर मे उपस्थित रह कर योजनाओ को लाभ दिया जाना सुनिश्चित करे। बैठक के दौरान अपर कलेक्टर अरविंद झा, संयुक्त कलेक्टर संजीव पाण्डेय, एसडीएम सिंगरौली सृजन बर्मा, डिप्टी कलेक्टर सौरभ मिश्रा, डीपीसी आर.एल शुक्ला, डीएसओ पी.सी चन्द्रवंशी. लोक सेवा प्रबंधक रमेश पटेल सहित अन्य जिलाधिकारी व्हीसी के माध्यम से बैठक में उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने खनिज रेत का अवैध उत्खनन करने पर

मेसर्स फेयर ब्लैक इन्फाटेक इंडिया प्रा.लिमिटेड के विरुद्ध लगाया 7 करोड़ रुपये का जुर्माना

कलेक्टर न्यायालय का ऐतिहासिक निर्णय, अवैध उत्खनित रेत रायल्टी का 60 गुना लगाया जुर्माना

पर्यावरण क्षति पूर्ति के रूप में लगी 3 करोड़ 44 लाख रूपए की शास्ति

कटनी/ब्यूरो।

कलेक्टर अवि प्रसाद ने उत्खनि पट्टा क्षेत्र हेतु स्वीकृत रकवा के अलावा इससे लगे रकवा क्षेत्र में अवैध और नियम विरुद्ध खनिज रेत का उत्खनन करने पर उपपट्टाधारी मेसर्स फेयर ब्लैक इन्फाटेक इंडिया प्रा.लिमिटेड के विरुद्ध 6 करोड़ 93 लाख 69 हजार 300 रूपए का जुर्माना लगाया है। जिसमें अवैध उत्खनित रेत मात्रा 5 हजार 733 घनमीटर की रायल्टी राशि 5लाख 73 हजार 300रूपये का 60 गुना शास्ति के तौर पर 3करोड़ 43लाख 98 हजार रूपए और शास्ति के अतिरिक्त समतुल्य राशि पर्यावरण क्षतिपूर्ति के रूप में 3 करोड़ 43 लाख 98 हजार रूपये शामिल हैं। कलेक्टर ने संबंधित को यह राशि जिला खनिज प्रतिष्ठान मद में जमा कराने का आदेश पारित किया है।

ये हैं मामला

मप्र स्टेट माईनिंग कार्पोरेशन लि0 उप कार्यालय कटनी द्वारा कलेक्टर न्यायालय को दिए प्रतिवेदन में बताया गया कि ग्राम घुघरी के खसरा नंबर 122 रकवा 8.030 हेक्टेयर पर खनिज रेत हेतु उत्खनि पट्टा दि मप्र स्टेट माईनिंग कार्पोरेशन लि0 के पक्ष में स्वीकृत हैए जिसका संचालन उप पट्टाधारी एवं बोलीकर्ता मेसर्स फेयर ब्लैक इन्फ्राटेक इंडिया प्रा.लि. द्वारा किया जा रहा है। इस क्षेत्र में उत्खनि पट्टा हेतु स्वीकृत क्षेत्र को चतुर्सीमा में सीमा मुनारों का निर्माण किया जाना नहीं पाया गया। साथ ही मेसर्स फेयर ब्लैक इन्फाटेक इंडिया प्रालि द्वारा खसरा नंबर 490 के रकवा 17.010 हेक्टेयर के भाग रकवा पर भी रेत का अवैध खनन किया जाना पाया गया।

नियमों एवं शर्तों का उल्लंघन

खनिज विभाग एवं राजस्व अमले द्वारा तहसील विजयराघवगढ अंतर्गत ग्राम घुघरी में खनिज रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन,भंडारण के संबंध में दिए गए प्रतिवेदन के अनुसार मेसर्स फेयर ब्लैक इन्फ्राटेक इंडिया प्रा.लि. द्वारा खनिपट्टा हेतु स्वीकृत क्षेत्र से लगे खसरा नंबर 490 रकवा 17.010 हेक्टेयर के भाग रकवे पर अवैध रूप से खनिज रेत का नियम विरुद्ध खनन किया जाना पाया गया। जिसमें लगभग 455 मीटर लंबाई 42 मीटर औसत चौड़ाई एवं लगभग 0.30 मीटर औसत गहराई में खनन कर अवैध रेत निकाला जाना पाया गया। निकाली गई अवैध रेत की कुल मात्रा लगभग 5 हजार 733 घनमीटर पाई गई है। इसके आधार पर कलेक्टर न्यायालय द्वारा उप पट्टाधारी एवं बोलीकर्ता मेसर्स फेयर ब्लैक इन्फ्राटेक इंडिया प्रा0लि0 द्वारा 5 हजार 733 घनमीटर खनिज रेत का अवैध उत्खनन किया जाना पाया गया है। जो कि उप पट्टाधारी व बोलीकर्ता मेसर्स फेयर ब्लैक इन्फ्राटेक इंडिया प्रालि द्वारा खनिज रेत की विस्तृत ई-नीलामी सूचना में उल्लेखित आवश्यक शर्तों का स्पष्ट उल्लंघन है।

कलेक्टर ने ये दिया आदेश

कलेक्टर न्यायालय में कलेक्टर द्वारा खनिज शाखा द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन और संयुक्त जांच दल के प्रतिवेदन एवं अनावेदक के जवाब तथा प्रकरण में संलग्न समस्त दस्तोवजों का सूक्ष्म परिशीलन किया गया। इसके बाद कलेक्टर ने अनावेदक अवैध उत्खननकर्ता फेयर ब्लैक इन्फ्राटेक इंण्डिया प्रा0 लिमि0 के विरूद्ध कुल 6करोड़ 93 लाख 69 हजार 300 रूपए का जुर्माना लगाया है। जिसमें अवैध उत्खनित रेत मात्रा 5 हजार 733 घनमीटर की रायल्टी राशि के रूप में पाँच लाख तिहत्तर हजार तीन सौ रूपये का 60 गुना तीन करोड़ तिरालिस लाख अन्ठान्नवे हजार रूपये की शास्तिए और शास्ति के अलावा समतुल्य राशि पर्यावरण क्षतिपूर्ति के रूप में तीन करोड़ तिरालिस लाख अन्ठान्नवे हजार रूपये की राशि शामिल हैं।उप पट्टाधारी व बोलीकर्ता मेसर्स फेयर ब्लैक इन्फ्राटेक इंडिया प्रा.लि. को यह राशि जिला खनिज प्रतिष्ठान मद में जमा करने का आदेश कलेक्टर न्यायालय द्वारा दिया गया है।

अवैध परिवहन पर दो वाहनों से वसूला 95 हजार 860 रूपये का जुर्माना

कटनी/ब्यूरो।

कलेक्टर अवि प्रसाद द्वारा खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के मामलों में गंभीरता से कार्यवाही करने के दिए गए निर्देश पर खनिज विभाग द्वारा निरंतर कार्यवाही की जाकर खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के मामलों पर लिप्त वाहनों से निर्धारित प्रशमन शुल्क की राशि भी जमा कराई जा रही है। ऐसे ही दो वाहनों में गौण खनिज ले का ओव्हर लोड कर अवैध परिवहन करते पाए जाने पर 95 हजार 860 रूपये का प्रशमन राशि जमा कराने के उपरांत वाहन मुक्त करनें की कार्यवाही की गई है। जिला खनिज अधिकारी नें बताया कि विगत 1 मई 2024 को जिला सत्र न्यायालय कटनी के पास आकस्मिक निरीक्षण के दौरान हाईवा वाहन क्रमांक सीजी 04 पीई 5333 से अनावेदक परिवहनकर्ता वाहन चालक, किशन कोल पिता मुन्ना कोल निवासी पडरेही विजराघवगढ़, वाहन मालिक मनोज मिनरल्स ग्राईंडिंग कार्पोरेशन जितेन्द्र कुमार पटेल निवासी वार्ड क्रमांक 2 अमहपारा सेजबहार रायपुर छीसगढ़ द्वारा 3.10 टन ओव्हरलोड का अवैध परिवहन करते पाये जाने पर वाहन जप्त किया गया था।

खनिज विभाग द्वारा उक्त कृत्य पर मध्यप्रदेश गौण खनिज नियम 2022 के तहत कार्यवाही प्रस्तावित की जाकर अनावेदक को निर्धारित प्रशमन शुल्क की राशि 44 हजार 446 रूपये जमा करने की सूचना प्रेषित की गई। एक अन्य प्रकरण में 1 मई को ग्राम गुलवारा के पास आकस्मिक जांच के दौरान हाईवा वाहन क्रमांक सीजी 04 पीई 4333 से अनावेदक परिवहनकर्ता वाहन चालक, देवीदीन दाहिया पिता प्रेमलाल दाहिया निवासी गोरबई मैहर जिला सतना वाहन मालिक मनोज मिनरल्स नई बस्ती कटनी 4.1 टन ओव्हरलोड ले का अवैध परिवहन करते पाए जाने वाहन को जप्त करने की कार्यवाही की गई। खनिज विभाग द्वारा उक्त कृत्य पर मध्यप्रदेश गौण खनिज नियम 2022 के तहत कार्यवाही प्रस्तावित की जाकर अनावेदक को निर्धारित प्रशमन शुल्क की राशि 51 हजार 414 रुपये जमा करने की सूचना देने की कार्यवाही प्रस्तावित की गई। जिस पर अनावेदक द्वारा उपस्थित होकर प्रशमन शुल्क की जमा करने की बात कही जाकर वाहन मुक्त करने का अनुरोध किया गया। जिला खनिज अधिकारी द्वारा अनावेदक से विगत 7 मई को प्रशमन शुल्क की राशि जमा कराई जाकर चालान की मूल प्रति के साथ दोनों प्रकरण विधि संगत कार्यवाही हेतुकलेटर अवि प्रसाद के समक्ष प्रस्तुत किए गए।

कलेक्टर श्री प्रसाद द्वारा मध्यप्रदेश गौण खनिज नियम 2022 के नियम 20 के तहत दोनों अनावेदकों द्वारा निर्धारित प्रशमन शुल्क की कुल राशि 95 हजार 860 रूपये जमा कर दिये जाने पर वाहनों को मुक्त करने की कार्यवाही प्रस्तावित की गई।

माई नदी सफाई अभियान का दिखने लगा असर

पानी के रंग एवं पीएच वैल्यू में आया सकारात्मक परिणाम

कटनी/ब्यूरो। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिला प्रशासन आयुक्त नगर निगम एवम अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के मार्गदर्शन में दिनांक 1 मई से माई नदी पुनर्जीवन मिशन चलाया जा रहा है जिसमें नदी सफाई के साथ साथ नदी में सीधे मिलने वाले नालों के प्राथमिक उपचार की शुरुआत माई घाट के पास की गई है। प्राथमिक उपचार से माई घाट के पास नदी के पानी की गुणवत्ता के सकारात्मक परिणाम सामने आए है, नगर निगम के केमिस्ट द्वारा बताया गया कि नदी का पानी जो कि पहले काला ब्लैक हुआ करता था वर्तमान में भूरा ग्रे हो गया है। इसके अलावा जिस पानी की पीएच मानक पर वैल्यू जो कि पहले लगभग 5.6 थी वर्तमान में 7.9 आयी है जो कि भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा निर्धारित मानक की सीमा में है, जिससे स्पष्ट है की आगामी समय में उक्त अभियान के और सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे।

संदेहियों की ली तलाशी, पुलिस को देख पतली गली पकड़ने वालों से लगवाई उठक-बैठक

अचानक दलबल के साथ इंद्रानगर के पैदल गस्त पर निकले कुठला थानाप्रभारी

पुलिस की सख्ती से अपराधिक तत्वों में खौफ

कटनी/ब्यूरो।

थाना क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था कायम रखने के लिए पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉक्टर संतोष डेहरिया एवं नगर पुलिस अधीक्षक ख्याती मिश्रा के मार्गदर्शन में गत शाम कुठला थाना प्रभारी अभिषेक चौबे दलबल के साथ अचानक इंदिरानगर क्षेत्र के पैदल गस्त पर निकले। थाना प्रभारी की मौजूदगी में पुलिस बल को क्षेत्र में पैदल गस्त करते देख अपराधिक तत्वों के पसीने छूट गए। आज किए गए

गस्त के संबंध में जानकारी देते हुए कुठला थाना प्रभारी अभिषेक चौबे ने बताया कि इंदिरा नगर क्षेत्र में आमजनों की सुविधा और सुरक्षा को देखते हुए साथ ही इस क्षेत्र के आपराधिक तत्वों के हौसले को तोड़ने के लिए क्षेत्र में समय-समय पर पैदल गस्त करके परिस्थितियों का जायजा लिया जाता है। पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन के द्वारा क्षेत्र की शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिए गए निर्देशों के क्रम में इस तरह की कार्यवाही को अंजाम दिया जाता है।

पुलिस को देखकर निकले पड़ी पतली गली

जिस समय कुठला पुलिस इंदिरा नगर क्षेत्र में पैदल गस्त कर रही थी उस दौरान गस्त करते हुए पुलिस बल के द्वारा रास्ते में मिले संदेहियों की तलाशी लेते हुए उनसे बेवजह घूमने के संबंध में पूछताछ की गई। इसी दौरान कुछ युवक पुलिस को देख पतली गली पकड़ कर भागने का प्रयास करने लगे। जिन्हें पुलिस के द्वारा पकड़ कर सख्त लहजे में पूछताछ की गई। पुलिस को देखकर भागने वाले संदेही युवकों को सबक सिखाने के लिए कुठला थाना प्रभारी अभिषेक चौबे ने उठक बैठक लगवाई।

थाना प्रभारी के द्वारा संदेशों को सख्त लहजे में हिदायत भी दी गई। इस दौरान कुठला थाने का बाल बड़ी संख्या में मौजूद रहा।

परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में विशाल नेत्र शिविर

कटनी/ब्यूरो।

ब्राह्मण समाज जिला कटनी द्वारा भगवान परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में विशाल नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन से किया गया जिसमें नि:शुल्क पड़ने वाले चश्मे एवं मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए 25 मरीजों को चित्रकूट भेजा गया! आज 300 मरीजों का नेत्र परीक्षण किया गया! आयोजन में इनकी रही उपस्थिति पं. वैभव राम त्रिपाठी, पं. प्रेमप्रकाश दीक्षित, पं. राजू शर्मा, पं. सूर्यकान्त गौतम, पं. संतोष तिवारी, पं. बिल्लू शर्मा, पं. प्रभात त्रिपाठी, पं. विक्रांत शर्मा, पं. कल्लू बाजपेई, पं. प्रदीप द्विवेदी, पप्पू गर्ग, पं.के.के.गौतम, पं. किशन शर्मा, पं. संतोष पाण्डेय आदि की उपस्थिति रही।

नेशनल लोक अदालत संबंधित पंपलेट वितरित कर आमजनों को किया जागरुक

कटनी/ब्यूरो। जिला कटनी/ मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर तथा माननीय प्रधान जिला एंव सत्र न्यायधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण धरमिंन्दर सिंह राठौर के निर्देशानुसार दिनांक 11 मई को होने वाली नेशनल लोक अदालत को सफ्ल बनाने और अधिक से अधिक पक्षकारो को लाभान्वित कराये जाने हेतु प्रचार प्रसार वाहन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र और शहरी क्षेत्रों मे सघन जनसंपर्क कराया जा रहा है। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण माननीय नीलेश कुमार जिरैती के मार्गदर्शन में समाजसेवी व अधिवक्ता रेखा अंजू तिवारी एंव पैरालीगल वालंटियर राजा अहिरवार, सुश्री लता खरे द्वारा प्रचार-प्रसार वाहन के माध्यम से शहरी विभिन्न चौराहों पीर बाबा, सुभाष चौक, माधव नगर, सिविल लाइन, विश्वकर्मा पार्क, रेलवे स्टेशन इत्यादि क्षेत्रों मे लोगों के बीच पहुंचकर समाजसेवी रेखा अंजू तिवारी द्वारा लोक अदालत संबंधित पंपलेट और आडियो क्लिप के माध्यम से होने वाली नेशनल

लोक अदालत संबंधित लाभान्वित होने जानकारी दी और बताया की आपसी मतभेदों को भुलाकर समझौता करे यही मामले का अंतिम निराकरण भी होता है जिसकी कोई अपील नही होती है साथ ही किसी मामले पर कोई कोर्ट फीस लगी हुई है तो वो भी वापिस मिल जाती है। इस अवसर पर अनुज कुमार चंदसोरिया जिला विधिक सहायता अधिकारी ने लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु आमजन से अपील की है, कि यदि उनका कोई मामला किसी न्यायालय में लंबित है तो 11 मई को संबंधित न्यायालय मे जाकर आपसी समझौते से मामले का निराकरण कराये और नेशनल लोक अदालत का लाभ उठाएं।

कलेक्टर ने किया स्ट्रांग रूम का निरीक्षण

सुरक्षा बलों को मुस्तैद रह कर चाक-चौबंद निगरानी के दिए निर्देश

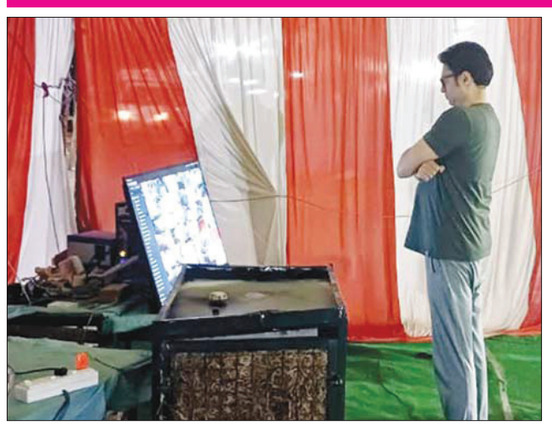

कटनी/ब्यूरो।

कलेटर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अवि प्रसाद ने कृषि उपज मंडी पहरुआ परिसर स्थित स्ट्रांग रूम में कड़ी सुरक्षा में रखी गई ईव्हीएम,व्हीव्हीपेट मशीनों के स्थल का औचक निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। कलेटर ने निरीक्षण के दौरान सीसीटीव्ही कैमरों एवं एलईटीव्ही की जांच की जाकर मुस्तैद सुरक्षा प्रहरियों को सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए। बताते चलें की कटनी के कृषि उपज मंडी परिसर में स्ट्रांग रूम में जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों क्रमश: बड़वारा, मुड़वारा, बहोरीबंद और विजयराघवगढ़ का स्ट्रांग रूम बनाया गया हैं। शहडोल लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बडवारा विधानसभा क्षेत्र में 19 अप्रैल को मतदान हो चुका है और खजुराहो लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली तीन विधानसभा क्षेत्रों में 26 अप्रैल को मतदान हुआ है। इनकी कड़ी निगरानी और सुरक्षा के लिए चौबीसों घंटे सुरक्षा बलों द्वारा पहरेदारी की जा रही है।

तहसीलों में अब तक 67 हजार 133 मैट्रिक टन गेहूं उपार्जित

56 हजार 433 मैट्रिक टन गेहूं का किया जा चुका परिवहन

उपार्जन कार्य में तहसील बहोरीबंद अव्वल

कटनी/ब्यूरो। रबीविपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिए जिले समस्त तहसीलों में स्थापित 85 उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से बुधवार 8 मई तक की अवधि में कुल 67 हजार 133 मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया जाकर 56 हजार 433 मैट्रिक टन गेहूं का परिवहन भी किया जा चुका है। कलेक्टर अवि प्रसाद केनिर्देशन में जिले के सभी उपार्जन केंद्रों मे उपार्जन का कार्य जारी है। कलेक्टर प्रसाद ने उपार्जित उपज का अविलंब परिवहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने उपार्जन केंद्रों मे आवक रजिस्टर संधारित करने के साथ ही उपार्जन केंद्रों के लिये जारी नीति-निर्देशों के तहत केंद्रों मे छन्ना, पंखा, मॉइश्चर मीटर, परखी, तिरपाल एवं कृषकों के बैठने के लिए छायादार व्यवस्था तथा पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही राजस्व खाद्य विभाग के अधिकारियों को निरंतर भ्रमण कर खरीदी केन्द्रों में कार्य का जायजा लेने के निर्देश दिए है।

उपार्जन एवं परिवहन में बहोरीबंद निरंतर अव्वल - जिले की समस्त तहसीलों में किये जा रहे उपार्जन कार्य में बुधवार 8 मई की स्थिति में तहसील बहोरीबंद निरंतर बढ़त बनाए हुए है। तहसील बहोरीबंद मे अब तक कुल 3669 किसानों से 23 हजार 675 मैट्रिक टन गेंहूं का उपार्जन कार्य किया जा चुका है इसमें से 20 हजार 519 मैट्रिक टन का परिवहन भी किया जा चुका है। जबकि दूसरे नंबर पर काबिज तहसील ढीमरखेड़ा में 3214 किसानों से 18 हजार 476 मैट्रिक टन गेंहूं का उपार्जन किया जाकर 16 हजार 806 मैट्रिक टन गेहूं का परिवहन भी किया जा चुका है। तीसरे नंबर पर तहसील स्लीमनाबाद द्वारा 1030 किसानों से कुल 7 हजार 76 मैट्रिक टन गेंहूं का उपार्जन किया जाकर 6 हजार 457 मैट्रिक टन का परिवहन भी किया जा चुका है। वहीं चौथे नंबर पर तहसील विजयराघवगढ़ में 758 किसानों से 5 हजार 539 मैट्रिक टन की खरीदी की जाकर 3 हजार 501 मैट्रिक टन का परिवहन भी किया जा चुका है। इसी प्रकार पांचवे नंबर पर तहसील रीठी द्वारा 748 किसानों से 4 हजार 257 मैट्रिक टन उपार्जित किया जाकर 2 हजार 707 मैट्रिक टन गेंहूं का परिवहन भी किया जा चुका है। छठवे नंबर पर तहसील बरही द्वारा 749 किसानों से 3 हजार 709 मैट्रिक टन की खरीदी उपरांत 2 हजार 342 मैट्रिक टन का परिवहन कार्य किया जा चुका है। वहीं सातवे नंबर पर तहसील कटनी में 381 किसानों से 2 हजार 580 मैट्रिक टन की खरीदी उपरांत दो हजार 568 मैट्रिक टन का उपर्जन के साथ ही बड़वारा तहसील में 8 मई की स्थिति में कुल 334 किसानों से 1821 मैट्रिक टन गेंहूं का उपार्जन किया जाकर 1 हजार 533मैट्रिक टन गेंहू का परिवहन किया जा चुका है।

शरीर को स्वस्थ रखना हमारा कर्तव्य है, वरना हम अपने दिमाग को स्वच्छ और मजबूत नहीं रख पाएंगे - गौतम बुद्ध

कश्मीर घाटी की अवाम भी करेगी मतदान

कश्मीर की राजधानी श्रीनगर के जिस लाल चौक पर कुछ साल पहले तक सिर्फ सुरक्षा बलों के जवान ही झुण्ड के झुण्ड में दिखाई दिया करते थे, वहां आजकल लोकसभा चुनाव को लेकर स्थानीय लोग खुलकर राजनीतिक चर्चाएं कर रहे हैं। कश्मीर घाटी में धारा 370 को हटाये जाने के बाद पहली बार कोई चुनाव हो रहे हैं। तब से घाटी की स्थिति में भी अभूतपूर्व बदलाव आया है। घाटी में आतंकवाद जब चरम पर चल रहा था तब बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडितों और अन्य लोगों ने वहां से भागकर दिल्ली और दूसरे राज्यों में शरण ली थी। तब इनके सामने विस्थापन का संकट झेलने से लेकर अनिश्चित भविष्य की मुश्किलों का सामना करने के अलावा कोई दिशा या रास्ता भी तो नहीं था। 2019 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गृहमंत्री अमित शाह ने जब धारा 370 को हटाया जिस ऐतिहासिक संसद के सत्र में भी भागीदार था तब उनमें एक उम्मीद जगी है। तब से उन्हें यही महसूस हो रहा है कि अब वे किस तरह अपने कश्मीर जाकर फिर से अपनी जड़ों की ओर लौट सकेंगे। कश्मीर घाटी में आतंकवाद के दौर के बाद लाखों पंडितों ने अपमान और अत्याचार के दौर में घाटी को छोड़ा था। वे आगामी 13 मई को अपना वोट राजधानी के पृथ्वीराज रोड पर स्थित जम्मू-कश्मीर हाउस में जाकर डालेंगे। उस दिन श्रीनगर सीट के लिए वोटिंग होनी है। यहां कश्मीरी पंडितों को लोकसभा चुनाव के लिए मतदान करने की सुविधा दी गई है। इसके बाद 20 मई (बारामूला) और 25 मई को (अनंतनाग-राजौरी) में मतदान होगा। तब भी राजधानी और इसके आसपास रहने वाले कश्मीरी पंडित यहां आकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। सरकार का कहना है कि जम्मू-कश्मीर में जल्द ही विधानसभा चुनाव भी कराकर वहां की जनता की चुनी हुई सरकार को लाने और विकास कार्य में तेजी लाकर देश की मुख्यधारा से राज्य को जोड़ने के लिए प्रयास शुरू हो चुके हैं। लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में राज्य के अपने दौरे में इस बात को साफ तौर पर कहा भी था। साल 2019 में धारा 370 हटाए जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राज्य का यह पहला दौरा था। श्रीनगर के बख्शी स्टेडियम में प्रधानमंत्री मोदी को सुनने के लिए करीब दो लाख लोग वहां पहुंचे थे। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने विस्तार से बताया था कि कैसे उनकी सरकार जम्मू-कश्मीर के हालात को बदलने और वहां के युवाओं के भविष्य को संवारने के लिए काम कर रही है। राजधानी और एनसीआर में आज भी हजारों कश्मीरी पंडित रहते हैं। ये अधिकतर दक्षिण दिल्ली में ही रहते हैं। दिल्ली में रहने वाले कश्मीरी प्रवासियों को सरकार की ओर से हर महीने मासिक राहत पैकेज दिया जाता है। पहले यह 10,000 रुपये था लेकिन पिछले साल 2023 में दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने इसको 10,000 रुपये से बढ़ाकर 27,000 रुपये प्रति माह कर दिया था। उपराज्यपाल ने दिल्ली सरकार के कश्मीरी प्रवासी कार्डों में नाम जोड़ने को भी मंजूरी दे दी थी। इस बीच, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि सरकार जम्मू-कश्मीर से सशस्त्र बल विशिष्ट शक्ति (विशेष शक्तियां) अधिनियम कानून (एएफएसपीए) को भी रद्द करने पर विचार कर रही है। सरकार केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर से सैनिकों को वापस बुलाने की योजना बना रही है और कश्मीर की कानून व्यवस्था को अब पूरी तरह जम्मू-कश्मीर पुलिस के हवाले किया जाएगा। सरकार भी मान रही है कि जम्मू-कश्मीर में आतंकियों का मूवमेंट कम हुआ है। आंकड़े बताते हैं कि आतंकवाद में 80 फीसदी कमी आई है। पत्थरबाजी की घटनाएं तो पूरी तरह खत्म ही हो गई हैं। बंद, प्रदर्शन और हड़तालें भी नहीं हो रही हैं। गृह मंत्री ने कहा, 2010 में पथराव की 2564 घटनाएं हुई थीं जो अब शून्य हैं। 2004 से 2014 तक मौतों की कुल संख्या 2829 थी और 2014-23 के दौरान यह घटकर 915 हो गई है। यह 68 प्रतिशत की कमी है। नागरिकों की मृत्यु 1770 थी और घटकर 341 हो गई है, जो 81 प्रतिशत की गिरावट है। सुरक्षा बलों की मौतें 1060 से घटकर 574 हो गई जो 46 प्रतिशत की कमी है। मोदी सरकार ने आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के लिए 12 संगठनों पर प्रतिबंध लगाया है। 36 लोगों को आतंकवादी घोषित किया है। टेरर फंडिंग को रोकने के लिए 22 से ज्यादा मामले दर्ज किए हैं और 150 करोड़ रुपये की संपत्ति भी जब्त की है। 90 संपत्तियां भी कुर्क की गई और 134 बैंक खाते फ्रीज कर दिए गए हैं। एक बात बहुत साफ है कि सरकार देश विद्रोही ताकतों को कुचलने के लिए तैयार है और जो वार्ता करना चाहता है उसका सदैव स्वागत भी है। हां, उसे वार्ता संविधान के दायरे में आकर करनी होगी। बातचीत की प्रक्रिया में हुर्रियत कॉन्फ्रेंस जैसे अलगाववादी संगठनों का कोई स्थान नहीं है। कहना न होगा कि अब देश बदला-बदला सा जम्मू-कश्मीर देख रहा है।

मुद्दाविहीन लोकसभा चुनाव

निर्वाचन आयोग द्वारा लोक सभा चुनाव की घोषणा किए तथा आदर्श आचार संहिता लागू हुए 50 दिन से अधिक हो चुके हैं। तीन चरणों का मतदान हो चुका है तथा आधे से अधिक लोक सभा क्षेत्रों में मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर लिया है। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन तथा कांग्रेसनीत विपक्षी गठबंधन दोनों जीत के लिए लगातार प्रचार अभियान में लगे हुए हैं। इन सब बातों के बीच मतदाता अगर किसी चीज की कमी महसूस कर रहे हैं तो वह है अहम मुद्दों पर ठोस बहस। दोनों दलों ने अपने-अपने घोषणापत्र जारी किए हैं लेकिन जरूरी नहीं कि उनमें चर्चा के अहम बिंदु शामिल हों। चाहे जो भी हो, भारत में चुनाव प्रचार वैसे भी काफी हद तक घोषणापत्र से परे होता है। देश में अधिकांश बहस अप्रासंगिक और अवांछित विषयों पर केंद्रित रही है। जल्दी ही दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहे देश में इससे बेहतर की उम्मीद थी। चूंकि जरूरी मुद्दे नहीं उठ रहे हैं इसलिए भाषा भी प्रभावित हुई है। यह 10 वर्ष पहले हुए लोक सभा चुनावों से एकदम विपरीत है। उस समय भाजपा ने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार की कमजोरी का लाभ लेने के लिए 'अच्छे दिन' का वादा किया था। वह बदलाव के लिए हुआ सकारात्मक चुनाव प्रचार था और दशकों बाद एक दल को बहुमत मिला था। 2019 के आम चुनावों में राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा अहम था क्योंकि पुलवामा और बालाकोट के मामले जनता की स्मृति में एकदम ताजे थे। आज वैसा कुछ भी देखने को नहीं मिल रहा है। प्रचार अभियान इतिहास के इर्दगिर्द घूम रहा है। कई बार तो मध्यकालीन इतिहास की बातें होने लगती हैं कि किसने कब क्या खाया, आरक्षण को बरकरार रखने या बढ़ाने की बातें हो रही हैं जो अकसर आबादी के एक हिस्से को दूसरे के खिलाफ करती हैं। अन्य बातों के अलावा संपत्ति और संसाधनों के पुनर्वितरण की बातें हो रही हैं। इनसे आर्थिक वृद्धि की गति बढ़ाने में कोई मदद नहीं मिलेगी। न ही स्कूली शिक्षा के नतीजों में कोई सुधार होने वाला है। उदाहरण के लिए विरासत कर का मुद्दा कुछ दिनों तक बिना वजह चर्चा में रहा और फिर नदारद हो गया। यह बात हम सभी जानते हैं कि भारत जैसे देश में ऐसे कर लगाना बहुत मुश्किल है। राजनीतिक दलों द्वारा अप्रासंगिक मुद्दों पर बात करने की एक वजह चुनावों की प्रक्रिया का लंबा होना भी हो सकता है। अगर दो या तीन चरणों में चुनाव प्रक्रिया पूरी की जाती तो शायद वे अहम मुद्दों पर केंद्रित रहते। राजनीतिक बहस में सुधार की प्राथमिक जिम्मेदारी भाजपा और कांग्रेस दोनों की है। भाजपा देश को विकसित बनाना चाहती है तो उसके लिए यह अवसर था कि वह अपनी उपलब्धियां गिनाए और भविष्य के खाके पर बात करे। कांग्रेस तथा विपक्षी दलों के लिए यह मौका था कि वे उन क्षेत्रों को रेखांकित करें जिनमें सरकार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी। वे मतदाताओं के समक्ष बेहतर विकल्प भी प्रस्तुत कर सकती थी। यह दुर्भाग्य की बात है कि ऐसा कुछ नहीं हो रहा है। भारतीय मतदाताओं को मोटे तौर पर व्यक्तिगत हमले सुनने को मिल रहे हैं और ऐसे मुद्दों पर बात हो रही है जो देश को आगे ले जाने वाले नहीं हैं। भारत को तेज आर्थिक विकास की आवश्यकता है। इसके लिए राजनीतिक पूंजी और ऊर्जा को टिकाऊ वृद्धि सुनिश्चित करने पर केंद्रित रहना चाहिए। इससे जुड़ा एक मसला रोजगार तैयार करने का है। देश की बढ़ती श्रम शक्ति के लिए तथा कृषि में लगी देश की आधी आबादी को उससे बाहर निकालने के लिए उत्पादक रोजगार की आवश्यकता है। तभी उत्पादकता और वृद्धि हासिल किए जा सकेंगे।

दीदी और अखिलेश की दोस्ती एवं सियासी समझौते को हल्के में लेना भाजपा की बड़ी भूल होगी

पश्चिम बंगाल से उत्तरप्रदेश को साधना चाहती हैं ममता

यूपी की भदोही सीट से उतारा अपना प्रत्याशी

देश का आम चुनाव जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए जनविश्वास की चुनौती का बड़ा सवाल है। वहीं दूसरी तरफ विखरे विपक्ष की सियासी एकता की अग्निपरीक्षा भी है। आम चुनाव को लेकर देश में शोर की राजनीति है। जनपक्ष से जुड़े जमीनी मुद्दे गायब हैं सिर्फ जुबानी जंग की लड़ाई है। आधुनिक भारत में विज्ञान और विकास के बढ़ते कदम में हम चांद और सूरज को नाप रहे हैं जबकि राजनीति में हमारी सोच आरक्षण, दलित, सम्प्रदाय, जाति, अगड़ा -पिछड़ा, हिन्दू -मुस्लिम से आगे नहीं निकल पा रही। यह आधुनिक भारत और युवापीढ़ी के लिए शर्म की बात है।

देश का आम चुनाव जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए जनविश्वास की चुनौती का बड़ा सवाल है। वहीं दूसरी तरफ विखरे विपक्ष की सियासी एकता की अग्निपरीक्षा भी है। आम चुनाव को लेकर देश में शोर की राजनीति है। जनपक्ष से जुड़े जमीनी मुद्दे गायब हैं सिर्फ जुबानी जंग की लड़ाई है। आधुनिक भारत में विज्ञान और विकास के बढ़ते कदम में हम चांद और सूरज को नाप रहे हैं जबकि राजनीति में हमारी सोच आरक्षण, दलित, सम्प्रदाय, जाति, अगड़ा - पिछड़ा, हिन्दू -मुस्लिम से आगे नहीं निकल पा रही। यह आधुनिक भारत और युवापीढ़ी के लिए शर्म की बात है। फिलहाल राजनीति भी प्रयोगवाद का विज्ञान है लिहाजा प्रयोग लाजमी है। चलिए हम उसी सियासी प्रयोगवाद के अध्ययन की तरफ ले चलते हैं। उत्तर प्रदेश राजनीतिक लिहाज से बड़ा प्रयोग क्षेत्र है। भाजपा का नारा अबकी बार 400 पार की असली जमीन उत्तर प्रदेश ही है। इस बार पश्चिम बंगाल की कुशल राजनीतिज्ञ खिलाड़ी ममता बनर्जी इण्डिया गठबंधन के रास्ते नया प्रयोग करना चाहती हैं। वह भदोही लोकसभा सीट के जरिए उत्तर प्रदेश की राजनीति में घुसपैठ करना चाहती हैं। उनकी इस सोच को जमीन देने का काम किया है समाजवादी पार्टी के मुखिया एवं यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने। उन्होंने अपनी सियासी दोस्ती में भदोही जैसी अहम सीट तृणमूल की झोली में डाल दिया है। ममता दीदी इस प्रयोग में कितनी सफल होंगी यह वक्त बताएगा।

ममता बनर्जी इस प्रयोगवाद के जरिए भाषाई राजनीति से अलग हटकर उत्तर भारत के सबसे बड़े हिंदी भाषी क्षेत्र में अपनी उपस्थित दर्ज करना चाहती हैं। अगर इण्डिया गठबंधन के जरिए यह प्रयोग सफल रहा तो वह इसी रास्ते हिंदी भूभाग पर राजनैतिक विस्तारवाद की फसल उगाएंगी। उनके इस सफर के सबसे अहम साथी यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव होंगे। मोदी बनाम विपक्ष की इस सियासी दोस्ती में दीदी को अखिलेश यादव जैसा एक मजबूत सियासी दोस्त मिला है। दीदी के लिए उन्होंने बड़ा दिल दिखाया है। सपा यूपी में 63 जबकि कांग्रेस 17 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

ममता और अखिलेश यादव के बीच हुए इस समझौते में मीडिया में यह बात भी आयी थीं कि अखिलेश यादव पश्चिम बंगाल में समाजवादी पार्टी के उपाध्याय किरणमय नंदा के लिए दक्षिण कोलकाता की सीट चाहते थे। क्योंकि यहां पूर्वांचल के आजमगढ़, गाजीपुर और चंदौली जिले के मतदाता काफी संख्या में रहते हैं। जिससे सपा वहां अपनी पैठ जमा सकती है। अब यह समझौता हुआ या नहीं कहना मुश्किल है। किरणमय नंदा 35 साल तक विधायक रहे। वह वाममोर्चा सरकार में 30 साल तक मंत्री रहे। वे समाजवादी विचारधारा के पोषक रहे जिसकी वजह से वे मुलायम सिंह यादव के करीब आए और परिवार में सियासी उठापटक के दौरान वे अखिलेश यादव के साथ मजबूती से खड़े रहे। जिसकी वजह से वह अखिलेश यादव के करीबी बन गए। नंदा की वजह से ही समाजवादी पार्टी का अधिवेशन कोलकाता में हुआ था। बंगाल में वह समाजवादी पार्टी को खड़ा करना चाहते हैं।

फिलहाल अखिलेश यादव ने ममता दीदी के लिए बड़ा दिल दिखाया और उन्हें भदोही सीट मिल गई है। हालांकि अखिलेश यादव के इस फैसले से पार्टी के बड़े नेता आंतरिक तौर पर खुश नहीं होंगे। लेकिन भदोही के समाजवादी पार्टी के विधायक जाहिद जमाल बेग ने बातचीत के दौरान इस बात से इनकार किया था। फिलहाल बीमारी की वजह से वे अस्पताल में हैं। यहां से ममता ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री रहे पंडित कमलापति के प्रपौत्र ललितेश पति त्रिपाठी को चुनावी मैदान में उतारा है।

ललितेशपति का परिवार खानदानी तौर पर कांग्रेस कल्चर से रहा है। ललितेश भी कभी गांधी परिवार के बेहद करीबी माने जाते रहे। वे कांग्रेस से मिर्जापुर की मडिहान विधानसभा से 2012 में विधायक चुने गए। मिर्जापुर उनके परिवार की सियासी कर्मस्थली रही है। उनके दादा लोकपति त्रिपाठी का यह कर्म क्षेत्र रहा है। ललितेश कभी प्रियंका गांधी के बेहद खास रहे। लेकिन राजनीति में सबकुछ चलता है। किसी बात से नाराज होकर 2021 में कांग्रेस छोड़कर तृणमूल की शरण में चले गए। अब ममता ने उन्हें भदोही से उम्मीदवार बनाया है। पश्चिम बंगाल में इण्डिया गठबंधन का कोई मतलब नहीं है वहां कांग्रेस और ममता एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। ममता दीदी ने भदोही में ललितेश को चुनावी मैदान में उतार कर सोची समझी रणनीति का परिचय दिया है। उन्होंने कांग्रेस को जहां जमीन दिखाई है वहीं एक ब्राह्मण चेहरा उतार कर एक नई सियासत का आगाज किया है। ललितेश कभी कांग्रेस के वफादार सिपाही थे। उनका पूरा खानदान कांग्रेस कल्चर का है लेकिन कांग्रेस से जब ठुकराए गए तो दीदी ने गले लगाया। ममता का दांव कांग्रेस के लिए एक सबक भी है।

दूसरी बात ललितेश एक ब्राह्मण चेहरा हैं। ममता भी ब्राह्मण हैं। भदोही में ब्राह्मण वोटर सबसे अधिक हैं। 2014 के बाद ब्राह्मण भाजपा की झोली में चला गया है। जबकि पश्चिम बंगाल में भाजपा यानी मोदी और ममता की सियासी दुश्मनी जगजाहिर है। इसलिए उन्होंने पूर्वांचल के सियासी दिग्गज परिवार के युवा उमीदवार को उतार कर भाजपा के वोट में सेंधमार कर अपने सियासी दांव को सफल करना चाहती हैं। क्योंकि भदोही प्रधानमंत्री मोदी की वाराणसी संसदीय सीट की पड़ोसी सीट है। ममता का चुनावी दांव अगर सफल हो जाता है तो यह मोदी के लिए भी चुनौती होगी।

दूसरी तरफ भदोही समाजवादी और भाजपा की टककर वाली सीट है। यहां ब्राह्मण, बिंद के बाद मुस्लिम

और यादव अच्छी तादात में हैं। भाजपा बंगाल में ममता पर हिन्दु विरोधी होने का आरोप लगाती है। उन्हें बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठियों और मुस्लिमों का सबसे बड़ा हितचिंतक बताती है। जिसका लाभ ममता को भदोही में मिलेगा। क्योंकि एमवाई यानी मुस्लिम और यादव अखिलेश यादव की बेहद करीबी है। ममता और अखिलेश यादव की राजनीतिक विचारधारा में समानता है जिसका लाभ तृणमूल को मिलेगा। भदोही का ब्राह्मण अगर हिंदुत्व और राष्ट्रवाद को किनारे कर ब्राह्मणवाद के लिए शंख बजा दिया तो यहां ममता और अखिलेश यादव की सियासी दोस्ती गुल खिला सकती है। ममता दीदी को भदोही के रास्ते उत्तर प्रदेश की राजनीति में पांव फैलाने का अच्छा खासा मार्ग मिल जाएगा। फिलहाल मोदी बनाम विपक्ष की इस लड़ाई में ममता की सियासी गुगली कितनी सफल होती है या समय बताएगा। लेकिन दीदी और अखिलेश की दोस्ती एवं सियासी समझौते को हल्के में लेना भाजपा की बड़ी भूल होगी।

- लेखक : प्रभुनाथ शुक्ल

बाल विवाह - ऐसा अपराध जो बड़ों की उपस्थिति में होता है

प्रलय श्रीवास्तव

बाल-विवाह यानि छोटी उम्र में बच्चों की शादी। बड़ों की रजामंदी और संरक्षण में होने वाला ऐसा अपराध जो समारोहपूर्वक होता है। जिसमें भागीदार होते हैं माता- पिता, अभिभावक, रिश्तेदार, पड़ौसी, रस्मों को निभाने वाले कर्ता-धर्ता और वे सभी जो खुद ज्ञाता व विद्वान होने का दावा करते हैं। यह ऐसी कुरीति है जो समाज के माथे पर आज भी कलंक बनी हुई है। कच्ची उम्र में बच्चों को बड़ा होने का अहसास कराना आज भी बदस्तूर जारी है।

आखिर बाल-विवाह होते क्यों हैं, इस बात पर भी गौर किया जाना जरूरी है। चूँकि बच्चे शत-प्रतिशत सच्चे होते हैं, उनका मन भोला होता है। नये कपड़े, मिठाई, उपहार, बैण्ड-बाजा का लालच देकर उन्हें विवाह के मण्डप में बैठा दिया जाता है। अनेक ऐसे क्षेत्र या स्थान भी हैं जहाँ परम्परा, रीति-रिवाजों के नाम पर बच्चों को कम उम्र में ही ब्याह दिया जाता है। फिर क्या, इस प्रक्रिया का सीधा-साधा असर बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य पर पड़ता है। तेजी से बढ़ता लिंगानुपात, बच्चों में कुपोषण, महिलाओं में खून की कमी, मातृ-शिशु मृत्यु दर आदि ऐसे कारण हैं, जिनका सीधा संबंध बाल विवाहों से है। बच्चों को उम्र से पहले ही उन बंधनों और जिम्मेदारियों मे लाद दिया जाता है, जिसके लिए वे शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार ही नहीं होते। बाल-विवाह बच्चों को उनके बचपन से भी वंचित कर देता है। समाज ने 18 साल से कम आयु की बालिका की शादी नहीं करने की कानूनी जानकारी तो प्राप्त कर ली, लेकिन उसने यह भी सीख लिया कि होने वाले बाल-विवाह को सरकार की नजर से कैसे छुपाया जाए। ऐसे में अहम जिम्मेदारी उनकी होती है, जिनकी जानकारी में बाल- विवाह होना अथवा उसके होने की संभावना होती है।

इतिहास

वैदिक काल तक विवाह से पूर्व वर व वधु के शारीरिक स्वास्थ पर विशेष ध्यान दिया जाता था। इस काल में विवाह पूर्ण प्रौढ़ावस्था में होता था। स्त्रियों को वैदिक काल तक ही पुरुषों की तरह के सारे अधिकार थे। वैदिक काल के बाद विवाह प्रथा अल्प वय बिवाह में बदलती चली गई। स्मृति चन्द्रिका, संस्कार कांड कहता है कि यदि योग्यपति प्राप्त नहीं होता है तो कन्या का विवाह तरुण आयु प्राप्त होने से पहले ही अयोग्य वर से कर देना चाहिये। 'प्राचीन भारत में स्त्रियों की दशा' नामक पुस्तक में अल्तेका लिखते हैं कि कन्याओं को हमलावरों से बचाने के लिये भी विवाह एक प्रतिरक्षात्मक उपाय था। वर्ण और जाति के कारण भी बाल-विवाह को प्रोत्साहन मिला। कम उम्र में कन्याओं का विवाह कर लोग उसके भविष्य की चिंता से बचने की कोशिश करते थे।

भुगतते हैं माँ, बच्चे

कम उम्र में शादी होने से न सिर्फ सुरक्षा के अधिकार का उल्लंघन होता है वरन्अच्छे स्वास्थ्य, पोषण व शिक्षा पाने के अधिकार का भी हनन होता है। इसके अलावा बाल-विवाह के कारण बालिकाएँ कम उम्र में असुरक्षित यौन चक्र में सम्मिलित हो जाती हैं। अपरिपक्व शरीर में बालिका द्वारा गर्भ धारण करने से भ्रूण पूर्ण रूप से विकसित्त नहीं हो पाता। गर्भपात, कम वजन के बच्चे का जन्म, बच्चों और माता में कुपोषण, खून की कमी, मातृ मृत्यु, प्रजनन मार्ग संक्रमण यौन संचरित बीमारियाँ/एचआईवी संक्रमण की संभावना में वृद्धि होना आदि भी बाल-विवाह के दुष्परिणाम हैं। अध्ययनों से सिद्ध हो चुका है कि 15 वर्ष की उम्र में माँ बनने से मातृ मृत्यु की संभावना 20 वर्ष की उम्र में माँ बनने से पाँच गुना अधिक होती है।

बाल-विवाह विरोधी कानून

बाल-विवाह को रोकने के लिए वर्ष 1929 में बाल-विवाह अंकुश अधिनियम बनाया गया। इसे शारदा एक्ट भी कहा जाता है। इस एक्ट में कई खामियाँ थीं। इन कमियों को दूर करने के लिये बाल-विवाह प्रतिषेध अधिनियम, (पीसीएमए) 2006 को 1 जनवरी 2007 से अधिसूचित किया गया। इसका उद्देश्य बाल-विवाह प्रथा की प्रभावी रोकथाम के लिये पहले कानून की विफलता को दूर करना व बाल-विवाह की रोकथाम के लिये एक समग्र व्यवस्था विकसित करना है। यह कानून 1 नवम्बर 2007 से लागू किया गया है। हालांकि स्वीकृत अंतर्राष्ट्रीय संधियों और राष्ट्रीय कानूनों में इस बात का उल्लेख किया गया है कि बच्चों को सुरक्षा प्रदान करना और उनके बुनियादी मानवाधिकारों की रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। कई अंतर्राष्ट्रीय संधियों पर भी हस्ताक्षर किये गये हैं, जिसमें उन्हें शोषण से बचाने व उन्हें सम्मानजनक अधिकार दिलाने हेतु प्रावधान है।

हमारी जिम्मेदारी

एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में बाल-विवाह की रोकथाम की जिम्मेदारी सभी लोगों की है। हर जिले के कलेक्टर को बाल-विवाह की रोकथाम के लिए जिम्मेदारी दी गई है। प्रशासन स्तर पर इस कोशिश में हर व्यक्ति को मददगार बननाचाहिए। यदि कहीं भी बाल विवाह होते दिखाई दे तो इसकी जानकारी प्रशासन तक पहुंचाकर बच्चों का भविष्य बर्बाद होने से रोकना हर नागरिक का कर्तव्य है।

बाल-विवाह रोकने के लिए समुदाय में निचले स्तर पर प्रेरक के रूप में कार्यरत आँगनवाड़ी कार्यकर्ता, एएनएम, आशा कार्यकर्ता एवं स्कूल के शिक्षक उपयोगी माध्यम हो सकते हैं।

मध्यप्रदेश में पंचायतों के पास अपार शक्तियाँ हैं। एक जागरूक पंचायत अपने गाँव में कोई भी बाल-विवाह नहीं होने देने के लिए ग्राम सभा के माध्यम से प्रस्ताव पारित कर सकती है। गाँव का मुखिया या सरपंच इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

मीडिया बाल-विवाह की रोकथाम में कारगर भूमिका निभा सकता है। एक ओर वह लोगों में बाल विवाह के खिलाफ इसके दुष्परिणामों को लेकर संदेश पहुँचा सकता है, वहीं दूसरी ओर लोगों को शिक्षित और जागरूक भी कर सकता है। बालक - वालिका स्वयं भी बाल विवाह के खिलाफ आवाज बुलंद कर सकते हैं।

मध्यप्रदेश ने उठाये कड़े कदम

मध्यप्रदेश सरकार हर साल अक्षय तृतीया अथवा आखातीज को बाल विवाह की रोकथाम करती है। बाल विवाह रोकने के लिए बाल विवाह रोकथाम अभियान भी चलाया जाता है। समस्त जिला कलेक्टरों को निर्देश जारी कर कड़े कदम उठाने के निर्देश दिये जाते हैं। उनसे कहा जाता है कि वे अपने जिले में ऐसे प्रयास करें कि किसी भी परिस्थिति में कोई भी बाल विवाह न हो। इसके लिये समाज के ऐसे प्रभावशाली व्यक्तियों समूहों का सहयोग लें, जो वैवाहिक कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सही उम्र में विवाह का महत्व, कम उम्र में विवाह के दुष्परिणाम आम नागरिकों तक पहुँचाने के लिए बेहतर प्रचार-प्रसार करने और स्थानीय मीडिया का भी सहयोग लेने को कहा जाता है।

बालिकाओं के हित में चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी देते हुए बाल विवाह न करने की समझाइश देने को कहा जाता है। कलेक्टरों से भी कहा गया है कि वे जिले के किसी भी शासकीय कॉल सेंटर को बाल विवाह की सूचना देने के लिए स्थायी रूप से अधिकृत करें। कॉल सेंटर के फोन नम्बर का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि कोई भी व्यक्ति संभावित बाल विवाह की सूचना कभी भी उस फोन नम्बर पर दे सके। यह व्यवस्था न केवल 10 मई अक्षय तृतीया को बल्कि वर्ष भर के लिए हो।

क्रांतिबीज

सुबह थी, फिर दोपहर आई, अब सूरज डूबने को है। एक सुंदर सूर्यास्त पश्चिम पर फैल रहा है।

मैं रोज दिन को उगते देखता हूं, दिन को छाते देखता हूं, दिन को डूबते देखता हूं और फिर यह देखता हूं कि न तो मैं उगा, न मैंने दोपहर पाई और न ही मैं अस्त पाता हूं।

कल यात्रा से लौटा तो यही देख रहा था। सब यात्राओं में ऐसा ही अनुभव होता है। राह बदलती है, पर राही नहीं बदलता है। यात्रा तो परिवर्तन है, पर यात्री अपरिवर्तित मालूम होता है।

कल कहां था, आज कहां हूं, कभी क्या था, अब क्या है-पर जो मैं कल था, वही आज भी हूं, जो मैं कभी था, वही अब भी हूं।

शरीर वही नहीं है, मन वही नहीं है, पर मैं वही हूं।

दिन और काल में परिवर्तन है पर 'मैं' में परिवर्तन नहीं है।

सब प्रवाह है पर यह 'मैं' प्रवाह का अंग नहीं है। यह उनमें होकर भी उनसे बाहर और उनके अतीत है।

यह नित्य-यात्री, यह चिर-नूतन, चिर-परिचित यात्री ही आत्मा है। परिवर्तन के जगत में इस अपरिवर्तित के प्रति जाग जाना ही मुक्ति है।

रचना

जनसाधारण एक्सप्रेस

जनसाधारण एक्सप्रेस की कहानी पता नहीं,
आपने जानी या नहीं जानी।
कहने को तो सुपरफास्ट ट्रेनों से भी बड़ी है,
पर जहां देखो वहीं सिग्नल के पास खड़ी है।
चाल में कहने को राजधानी/ शताब्दी से कम नहीं,
पर कहां खड़ी है इसका रेलवे को गम नहीं।
प्लेटफॉर्म पर तो कम किंतु प्रायः आगे-पीछे रुकती है,
सिग्नल नहीं मिलने पर कुत्तों की तरह भूंकती है।
एक्सप्रेस क्या सवारी/ मालगाड़ी से भी डर जाती है,
आस-पास होने पर दुबक कर संटिंग में पड़ जाती है।
मुझे एक बार इसमें करनी पड़ी सवारी,
लगा भाई पकड़ लेगी गंभीर कोई बीमारी।
ट्रेन आई गेट पर पहुंचा, कुछ खड़े थे तो कुछ लटके,
कुछ बैठे थे पायदान पर तो कुछ थे दरवाजे में सटके।
पूछा उतरोगे भाई, बोला अजी अभी कहां,
ये तो पटना हैं दिल्ली कहां आयी।
बड़ी मुसिबत है पर और कोई चारा नहीं,
चलना तो पड़ेगा ही, दूसरा कोई सहारा नहीं।
चढ़ना तो दूर पैर रखने हेतु खाली कोई किनारा नहीं,
अंदर तो वीभत्स दृश्य है, खड़ा होने का भी गुजारा नहीं।
बदबू ऐसी भयानक जैसे साग सब्जी सड़ा है,
बैठने की जगह कहां आदमी के उपर आदमी खड़ा है।
एक सज्जन बैठाए बोले बाबू यहां क्यों आए?
इसमें यात्रा करना आसान नहीं, इम्तिहान बहुत कड़ा है,
देखिए न यात्री कहीं तो उसका सामान कहीं और पड़ा है।
खाने पीने को कुछ मंगा नहीं सकते,
यदि बैग में रखा है तो उसे पा नहीं सकते,
गेट या बाथरूम तक जा नहीं सकते,
चले गए तो लौटकर वापस आ नहीं सकते।
यह यात्रावृतांत किसी को बता नहीं सकते,
किंतु रोमांचक इतना कि चाहकर भी छुपा नहीं सकते।

- राजेश राय 'रिशांक'

विचार-मंथन

अंतरिक्ष में मुकाबला

दुनिया में लगभग पांच दशक बाद फिर वैज्ञानिक प्रतिद्वंदिता साफ दिखने लगी है और दुनिया के ज्यादातर देशों ने समझ लिया है कि वास्तविक तरक्की के लिए वैज्ञानिक कुशलता बहुत जरूरी है। फिलहाल दुनिया में चीन वैज्ञानिक रूप से सबसे तेज तरक्की करता दिख रहा है। चीन ने शुक्रवार को अपनी तरह का पहला मिशन चांग-ई-6 अंतरिक्ष यान लॉन्च कर दिया। यह यान चंद्रमा पर दूसरी तरफ से मिट्टी या नमूने लेकर धरती पर लौटेगा। चीन राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन (सीएनएसए) के लिए यह स्वर्णिम काल है, नाना प्रकार के प्रयोग हो रहे हैं और संयोग भी घटित हो रहे हैं। कुल मिलाकर, चीन अपनी पूरी चेष्टा में दुनिया को यह दिखा पा रहा है कि वह वैज्ञानिक रूप से भी अब दुनिया का अग्रणी देश बनने जा रहा है। चीन अच्छी तरह जानता है कि दुनिया में लंबे समय तक अमेरिकी बादशाहत विज्ञान की बदौलत ही चली है। नया चीनी यान चांद के उस दुर्लभ हिस्से से नमूने लाएगा, जहां से अमेरिका और रूस भी कुछ लाने में कामयाब नहीं हुए हैं। चांद के सामने वाले हिस्से से नमूने लाने का काम अमेरिका, रूस और चीन पहले कर चुके हैं। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर एक आधार बनाने की ओर बढ़ता चीन प्रशंसा का हकदार है। यही नहीं, बीते सप्ताह ही चीन ने तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन के लिए अपने अंतरिक्ष यात्रियों को रवाना किया है। चीनी अंतरिक्ष स्टेशन भी अपने आप में एक बड़ी कामयाबी है। वैज्ञानिकों के बीच अक्सर चर्चा होती है, जब अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से चीन को लाभ मिलना कम हुआ, तब चीन ने अपना अंतरिक्ष स्टेशन बना लिया। बीजिंग के नवीनतम मानव अंतरिक्ष यान मिशन शेनझोउ-18 के माध्यम से तीन अंतरिक्ष यात्री चीनी अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंच गए हैं और वहां पहले से मौजूद अंतरिक्ष यात्री वहां से लौटने वाले हैं।

यह रोचक तथ्य है कि अंतरिक्ष स्टेशन पर एक जीवित मछली भी गई है, जिसे चौथा चालक दल सदस्य कहा जा रहा है। इस जेब्राफिश और शैवाल के जरिये परीक्षण किया जा रहा है, ताकि इंसानों को लंबे समय तक अंतरिक्ष में रहने में मदद मिल सके। अमेरिका बहुत हद तक अचंभित है, क्योंकि लगभग हर महीने चीन कुछ न कुछ अंतरिक्ष संबंधी शोध-परीक्षण लेकर सामने आ रहा है। अमेरिका ने बीजिंग के भू-राजनीतिक इरादों पर चिंता जताई है, जिसे नासा के प्रमुख ने एक नई अंतरिक्ष दौड़ या स्पेस रेस कहा है। चांग-ई-6 का प्रक्षेपण भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा अपने अगले चंद्रमा मिशन चंद्रयान-4 की योजना बनाने की चर्चा के बीच हुआ है। चंद्रयान-4 का मकसद भी चंद्रमा से नमूने लाना है। साल 2026 में जब चीन चांग-ई-7 का प्रक्षेपण करेगा, तब चंद्रयान-4 का भी प्रक्षेपण होगा। हालांकि, भारत को किसी भी प्रकार की होड़ में शामिल नहीं होना चाहिए। भारत की अपनी गति है, जिसे बढ़ाने के सतत प्रयास होते रहने चाहिए। योग्यतम भारतीय वैज्ञानिकों को इसरो में ही रुककर काम करना चाहिए। चीन की कामयाबी का राज यह है कि अब उसके योग्यतम वैज्ञानिक देश सेवा में लगे हुए हैं। अमेरिका से जैसी तकनीकी मदद चीन को तीन दशक तक मिली है, वैसी मदद भले अब न मिल रही हो, पर चीन को ज्यादा जरूरत भी नहीं है, तो क्या किया जाए? वैज्ञानिक प्रगति से किसी भी देश को रोका नहीं जा सकता, पर तरक्की करने वाले हर देश को दुनिया और इंसानियत के प्रति जिम्मेदार बनाने के प्रबंध होने चाहिए।

- आचरण डेस्क से

संक्षिप्त समाचार

लंबे समय से फरार स्थाई वारंटी गिरफ्तार

गुना। जिले के कैन्ट थानातंर्गत लंबे समय से फरार एक स्थाई वारंटी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसासर वर्ष 2021 में केंट थाना पुलिस द्वारा आरोपी सादिक खांन पुत्र जमील खांन निवासी कर्नेलगंजा को अपने अन्य साथियों सहित डकैती की योजना बनाते हुए गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के विरूद्ध केंट थाने में अपराध क्रमांक 727/21 धारा 299, 400, 402 भादवि एवं 25(2) के तहत अपराध पंजीवद्ध किया गया था। उक्त प्रकरण में आरोपी सादिक खांन के न्यायालयीन कार्यवाही से लगातार फरार रहने पर न्यायालय गुना द्वारा न्यायालयीन प्रकरण क्रमांक 305/21 में स्थाई वारंट जारी किया गया। जो तामीली हेतु केंट थाने पर प्राप्त हुआ था। आरोपी को पकड़कर न्यायालय में पेश किया गया है।

13 को मनाएंगे रविशंकर का जन्म दिवस

गुना। आर्ट ऑफ लिविंग परिवार 13 मई को श्री श्री रविशंकर का जन्म दिवस मनाएगा। आर्ट ऑफ लिविंग के बीके अग्रवाल ने बताया कि गुरुदेव का जन्म दिवस विश्व के 180 देशों में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस मौके पर शहर में कई कार्यक्रमों का आयोजन होगा। इसके साथ ही सेवा कार्य भी किए जाएंगे।

विश्वकर्मा समिति ने अमावस्या पर किया पूजन

राघौगढ़। अमावस्या पर विश्वकर्मा समाज समिति रुठियाई ने मासिक पूजन और हवन किया। ार्यक्रम के सामूहिक आरती और प्रसादी वितरण किया गया। इस दौरान समाज के जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी चर्चा की गई। इस दौरान समिति संरक्षक महेंद्र कुमार ओझा, अध्यक्ष हरिचरण ओझा, कोषाध्यक्ष रघुवीर ओझा, नंदकिशोर विश्वकर्मा (तेली गांव), घनश्याम, बनवारी लाल, महेंद्र आदि मौजूद थे।

पिपरोदा में श्रीमद् भागवत कथा आज से

गुना। शहर के नजदीकी गांव पिपरोदा खुर्द में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन कल 10 मई से आरंभ होगा। कथा का आरंभ 10 मई को कलशायात्रा के साथ आरंभ होगा। कलशयात्रा का आरंभ गांव के सोमेश्वर महादेव मंदिर से सुबह 9 बजे आरंभ होकर कथास्थल पर पहुंचेगी। जहां पूजन कलश स्थापना के उपरांत कथा का आरंभ होगा। कथा प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक चलेगी। पहले दिन शुकदेव महात्मय, धुंधकारी प्रसंग की कथा का वाचन भागवत प्रवक्ता रुद्र कालीदास महाराज बजरंगगढ़ वालों द्वारा किया जाएगा।

बाल विवाह रोकने के लिए उड़नदस्ते गठित

दतिया। अक्षय तृतीया एवं उसके पश्चात आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह एवं एकल विवाह समारोह में बाल विवाह के संबंध में जागरूकता का प्रचार-प्रसार करने तथा होने वाले बाल विवाह को रोकने के लिए विकास खण्ड दतिया, सेंवढ़ा एवं भांडेर और ग्राम स्तर पर उड़नदस्तों का गठन किया गया है। यह दल बाल विवाह की सूचना प्राप्त होने पर मौके पर पहुंचकर परिजनों को समझाइश देंगे, नहीं मानने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मां पीतांबरा देवी का प्रकटोत्सव कल

दतिया। नगर के सुप्रसिद्ध पीतांबरा पीठ मंदिर में 11 मई को मां पीताबंरा का प्रकाटोत्सव मनाया जाएगा। यह आयोजन तीन दिवसीय होगा। जिनमें 10 मई को परशुराम जयंती, 11 मई को माता पीतांबरा देवी का प्रकटोत्सव, 12 मई को आद्य शंकराचार्य जयंती विधि विधान के साथ मनाई जाएगी। इस दौरान भक्तगण पूर्व की भांति अपने घरों, देवालयों व प्रतिष्ठानों पर पीला झंडा लगाएंगे, साथ ही पीले वस्त्र पहनकर मां पीतांबरा देवी की आराधना करेंगे।

शस्त्र अनुज्ञप्ति निलंबित

शिवपुरी। जिला दण्डाधिकारी रवींद्र कुमार चौधरी द्वारा पुलिस अधीक्षक की अनुशंसा पर जिले के तहसील करैरा के ग्राम भैंसा के एक शस्त्र अनुज्ञप्तिधारी के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में अपराध पंजीबद्ध होने से आयुध अधिनियम 1959 की धारा 17(3)बी के तहत शस्त्र अनुज्ञप्ति निलंबित की गई है। निलंबित शस्त्र अनुज्ञप्तिधारी में सोनू तिवारी पुत्र रामहेत तिवारी की शस्त्र अनुज्ञप्ति को निलंबित किया गया है।

निर्वाचन अभिकर्ता की उपस्थिति में प्रतिदिन किया जाएगा स्ट्रांग रूम का निरीक्षण

शिवपुरी। लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत मतदान उपरांत ऐसी ईवीएम एवं वीवीपैट, जिनसे मतदान कराया गया है। इन्हें ए और बी कैटेगरी में रखा गया है। ये ईवीएम-वीवीपैट शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय शिवपुरी में स्ट्रांग रूम में रखी गई हैं

रखरखाव के नाम पर घंटों बिजली कटौती सहने के बावजूद बिजली की बद्हाली झेलने मजबूर लोग

बिजली कंपनी के रखरखाव की खुली पोल, लोग हो रहे परेशान

गुना, नगर संवाददाता।

पूरे साल बिजली संसाधनों के रखरखाव के नाम पर घंटों की कटौती करने वाली बिजली कंपनी के इस रखरखाव की पोल इन दिनों खुल रही है। पहले कटौती की मार और अब बिजली व्यवस्था की बद्हाली झेलने को लोग मजबूर है। इन दिनों आलम यह है कि कभी फाल्ट, कभी डीपी जलने तो कभी किसी और कारणवश शहर के विभिन्न क्षेत्रों में रोज ही बिजली गुल हो रही है, जबकि तापमान 42-43 डिग्री के बीच है। जिससे गर्मी अपने प्रचंड रुप में है। ऐसे में बिजली गुल रहने से लोगों की परेशान और बढ़ गई है। जिससे उनमें कंपनी के खिलाफ आक्रोश पनप रहा है। दूसरी ओर बिजली गुल रहने से जलसंकट की परेशानी भी बढ़ रही है, जबकि पहले से ही अल्प वर्षा के कारण पानी की किल्लत बनी हुई है। बार-बार और लंबे समय तक बिजली गुल रहने का कारण बिजली कंपनी गर्मी के कारण लोड बढ़ना बताती है, किन्तु सवाल यह है फिर पूरे साल रखरखाव किस बात का क्या गया?

तापमान 42-43 और बिजली गुल

गौरतलब है कि इन दिनों प्रचंड गर्मी का दौर चल रहा है। तापमान 42 और 43 डिग्री सेल्सियस के बीच है और आसमान से आग बरस रही है। ऐसे मौसम में कूलर, पंखे ही लोगों सहारा बनते है, किन्तु बिजली कंपनी की मनमानी और लापरवाही के कारण लोग इससे भी राहत नहीं ले पा रहे है। कारण दिन में यहां तक की रात में भी कई बार बिजली गुल हो जाती है। कई बार यह कुछ ही देर में आ जाती है तो कुछेक बार लंबा इंतजार करना पड़ता है। जिससे पहले से ही गर्मी से परेशान लोगों की तकलीफ और बढ़ जाती है। गर्मी तो उनके लिए असहनीय होती ही है। साथ ही मच्छर भी परेशान करते है।

जल रहे ट्रांसफार्मर, लाइन हो रही फाल्ट

गर्मी के कारण लोड बढ़ने से बिजली लाइनों में फाल्ट के साथ ट्रांसफार्मर जलने की घटनाएं सामने आ रहीं है। पिछले दो दिन में तीन स्थानों पर ट्रांसफार्मर जलने की घटनाएं सामने आ चुकी है। जिनमें शहर की भगत सिंह कॉलोनी, बड़े पुल के पास एवं बूढ़े बालाजी क्षेत्र शामिल है। रहवासियों के अनुसार एक तेज धमाका हुआ और ट्रांसफार्मर से आग की लपटें निकलने लगीं। बड़े पुल के पास की डीपी में तेज धमाका हुआ और इससे आसपास के क्षेत्र की बिजली गुल हो गई तो भगत सिंह और बूढ़े बालाजी में डीपी में आग लग गई। तीनों स्थानों पर लंबे समय तक लोगों को बिजली की परेशानी का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही लाइन में फाल्ट के कारण भी घंटों बिजली गुल हो रही है। बुधवार को महावीरपुरा में भरी दोपहर में करीब दो घंटे तक बिजली गुल रही।

पेयजल आपूर्ति भी हो रही प्रभावित

बिजली कटौती के कारण पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित हो रही है। इससे मोटर नहीं चल पा रहीं है और लोग पानी के लिए परेशान हो रहे है। उल्लेखनीय है इस बार मानसून में अल्प वर्षा हुई थी। जिससे जलसंकट की स्थिति बनी हुई है। नलकूप खनन के जरिए किसी तरह पानी की आपूर्ति बहाल रखने का प्रयास किया जा रहा है। शहर के कई हिस्से में सिंध से आपूर्ति होती है तो कई स्थानों पर नलकूप से आपूर्ति होती है, किन्तु इसके लिए बिजली की आवश्यकता पड़ती है। इसके साथ ही घरों के नलों में भी मोटर के माध्यम से ही पानी आता है। बिजली गुल रहने से न ट्यूबवैल चल पाते है और न मोटर। इसके कारण लोगों को पानी उपलब्ध नहीं हो पाता है। इसके कारण पानी की मोटरें भी खराब हो रही है। लोगों का मानना है कि प्रशासन को इसमें हस्तक्षेप करना चाहिए। जिससे उनकी परेशानी दूर हो सके।

कौन समझेगा इनका दर्द

बार-बार बिजली गुल रहने का असर काम धंधो पर भी पड़ रहा है। चक्की चालक वीरेन्द्र यादव के अनुसार दिन में कई बार बिजली ट्रिप मार रही है। इससे पिसाई में समय लगने के साथ चक्की भी खराब हो रही है। बैल्डिग करने वाले मोहन कुशवाह के मुताबिक गत दिवस करीब पांच घंटे बिजली गुल रही। इसके बाद भी बार-बार आती-जानी बनी रही। काम का पूरा दिन खराब हो गया। घरों के टीवी, फ्रिज जैसे बिजली से चलने वाले उपकरण भी बार-बार ट्रिप मारने के कारण खराब हो रहे है।

ऊमरी में विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

गुना, नगर संवाददाता।

जिले के म्याना थानांतर्गत एक विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। विवाहिता ने आत्महत्या किन कारणों से की? इसका पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार ऊमरी क्षेत्र के माली निवासी जितेन्द्र बघेली की पत्नी ललिता ने बीती रात अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दंपत्ति अपनी एक साल की बच्ची के साथ एक शादी समारोह में शामिल होकर वापस लौटे थे। इसके बाद दंपत्ति सो गए। जितेन्द्र के अनुसार सुबह जब वह सोकर उठा तो पत्नी को फांसी के फंदे पर लटका पाया। इसके बाद उन्होने पुलिस को खबर की। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने शव को बरामद कर मामले की जांच शुरु कर दी है। ललिता ने आत्महत्या किन कारणों से की। इसको लेकर जितेन्द्र कोई जानकारी नहीं दे पा रहा है।

दीवार गिरने से एक महिला की मौत, एक घायल

- जिले के म्याना थानातंर्गत एक महिला की दीवार गिरने से मौत हो गई। हादसे में एक अन्य महिला घायल हुई है। जानकारी के अनुसार छपरा मोहल्ला निवासी मालती बाई पत्नी गोपाल कुशवाह एवं गजरी बाई एक कच्चा घर बना रही थी। जिसकी दीवार में पानी भर गया था। इसी कारण काम करते समय यही दीवार इन दोनों के ऊपर गिर गई। हादसे में दोनों महिलाएं दीवार के नीचे दब गई। गंभीर घायल अवस्था में उन्हे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के दौरान बीती शाम गजरी बाई की मृत्यु हो गई।

मजदूरी को लेकर मारपीट

गुना, नगर संवाददाता।

जिले के म्याना थानातंर्गत मजदूरी के पैसे मांगने पर एक युवक के साथ दो आरोपियों ने मारपीट कर दी। इस दौरान बीच-बचाव कर रही उसकी मां को भी पीटा गया। । पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है। पुलिस के अनुसार गजनाई निवासी किरन पत्नी इमरत सिंह जाटव ने रिपोर्ट लिखाई कि उनका पुत्र शैतान जाटव अपनी मजदूरी के पैसे लेने के लिए धर्मेंद्र जाटव व बहादुर जाटव के घर गया था। यहां धर्मेंद और बहादुर दोनों ने पैसे देने से मना कर दिया। जब शैतान ने विरोध किया तो उसके साथ लाठी व डंडों से मारपीट कर दी। इस दौरान उसके साथ भी मारपीट की गई।

शुल्क जमा करने के नाम पर ठगी

छात्रों ने की कैन्ट थाने में शिकायत

गुना, नगर संवाददाता।

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं से शुल्क जमा करने के नाम पर धोखाधड़ी का समाचार है। एक कंप्यूटर संचालक ने शुल्क जमा कराकर छात्रों को फर्जी रसीद पकड़ा दीं। इसकी शिकायत छात्रों ने कैन्ट थाने में की है। छात्रों की शिकायत के अनुसार महाविद्यालय में प्रवेश और परीक्षा शुल्क जमा कराया जा रहा है। परीक्षा शुल्क 250 रुपए जिवाजी विश्वविद्यालय के नाम पर एवं प्रवेश शुल्क 6 हजार रुपए महाविद्यालय के नाम पर जमा हा रहा है। शुल्क कंप्यूटर सेंटर के माध्यम से छात्र जमा करा रहे है। शिकायत के अनुसार छात्रा रजनी लोधा ने बताया कि उन्होने झाला

कंप्यूटर्स अंबेडकर चौराहे पर प्रवेश शुल्क जमा कराया था। उन्होंने 6,370 रूपये जमा कराए। कंप्यूटर दुकान के संचालक ने उन्हे रसीद दी। रजनी जब इस रसीद को लेकर फॉर्म जमा कराने गई, तो फॉर्म जमा करने वालों ने बताया कि यह रसीद तो फर्जी है। महाविद्यालय में इसके पैसे जमा नहीं है। जब रजनी ने वापस कंप्यूटर सेंटर पर पहुंचकर विरोध जताया तो संचालक ने भड़क गया और गाली-गलौच की। इस दौरान सामने आया कि अन्य छात्रों से भी इसी तरह की धोखाधड़ी की गई है। इनकी रसीद को भी महाविद्यालय ने फर्जी बताया है। छात्रों ने कैन्ट थाने पहुँचकर शिकायत दर्ज कराई।

खेल छात्रवृत्ति आवेदन 31 तक जमा होंगे

गुन। मध्य प्रदेश शासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा खिलाड़ियों को दी जाने वाली खेल छात्रवृति के लिए खिलाड़ियों से आवेदन आमंत्रित किए गए है। खिलाड़ी अपना आवेदन निर्धारित प्रारूप में भरकर कार्यालय खेल एवं युवा कल्याण विभाग में 31 मई तक जमा करा सकते हैं। छात्रवृत्ति अधिकृत राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में स्वर्ण / रजत / कांस्य पदक प्राप्त करने, वरीयता राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में पदक अर्जित करने वाले खिलाड़ियों को दी जाएगी। खेलवृत्ति का उद्देश्य राज्यों स्तरीय पदक विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करना है। खेलवृत्ति के लिए खिलाड़ी की उम्र 1 अप्रेल 2024 को 19 साल से अधिक नहीं होना चाहिए। खिलाड़ी को मप्र का मूल निवासी होना अनिवार्य है।

गर्मी का प्रचंड रुप बरकरार

गुना। मई माह के दूसरे सप्ताह मे गर्मी की प्रचंडता बरकरार बनी हुई है। लगातार दूसरे दिन पारा 42 डिग्री सेल्सियस के पार रहा। गुरुवार को यह 42.8 डिग्री दर्ज हुआ। हालांकि बीते दो दिन के मुकाबले इसमे 1 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई है, किन्तु इससे गर्मी के तेवरों पर कोई अंतर नहीं पड़ा। गुरुवार को भी लोग मारे गर्मी के बेहाल रहे। आसमान से दिन के समय आग के गोले बरस रहे है। साथ ही गर्म हवाएं भी बदन को झुलसाने में लगी हुई थी। शाम के समय भी लोगों को राहत नहीं मिली। दिन के साथ ही रात भी लोगों को परेशान कर रही है। बीती रात का तापमान 27.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जो लगभग स्थित रहा। गत रात्रि तापमान 27.7 डिग्री रिकॉर्ड हुआ था।

राखी और लालमन के बीच हुआ कीर्तन मुकाबला

भांडेर। पंडोखर धाम पीठाधीश्वर गुरुशरण महाराज के सानिध्य में बुधवार को जवाबी कीर्तन के साथ ही पंडोखर धाम महोत्सव समापन हो गया। जिसमें प्रसिद्ध कीर्तनकार राखी आजाद एंड पार्टी उरई उ.प्र. तथा लालमन चंचल के मध्य जोरदार जवाबी मुकाबला हुआ। क्रान्ति माला ने सरस्वती वंदना की। जिसके बाद कीर्तन मुकाबला शुरू हुआ। दोनों ही पार्टियों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दीं।

डायनामाइट से विस्फोट मामले की जांच के लिए समिति गठित

दतिया। बड़ौनी थाना क्षेत्र के ग्राम बडगोर में डायनामाइट के विस्फोट में दो लोगों की मौत के मामले की जांच के लिए समिति गठित कर दी गई है।ज्ञातव्य है कि बड़ौनी थाना क्षेत्र के ग्राम बडगोर में पिछले दिनों डायनामाइट के विस्फोट से राधे कुशवाह पुत्र कल्लूराम कुशवाह निवासी डाबरभाट करैरा एवं गोविन्द कंजर पुत्र जोकरिया कंजर निवासी कंजर डेरा की मौत हो गई थी। इसी मामले की जांच करने के लिए जिलाधीश के निर्देश पर जांच समिति गठित की गई है, जांच समिति में विनोद भार्गव अपर जिला मजिस्ट्रेट, रमेश पटेल को शामिल किया गया है।

भारतीयों की आन, बान, शान का पर्याय हैं महाराणा प्रताप: चांडिक

नगर संवाददाता, दतिया।

महाराणा प्रताप भारतीयों की आन, बान, शान के प्रतीक हैं। उक्त विचार छत्तीसगढ़ राज्य के इंटेक सहसंयोजक राजेंद्र चांडिक ने व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि राजपूताने के उत्कृष्ट पराक्रमी महाराणा प्रताप एक सनातन हिंदूवादी देशभक्त थे। उन्होंने अपनी वीरता और शौर्य के कारण इतिहास में एक अलग मुकाम बनाया है। ऐसे वीर सपूत की जयंती पर आज हम उन्हें पुष्प समर्पित करते हुए खुद को गौरान्वित महसूस कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हम सबका कर्तव्य है कि हम उनके जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं को याद कर उनके जैसे दृण इच्छा शक्ति वाले बनने का प्रयास करें। इस अवसर पर दतिया चैप्टर के सदस्य राधाबल्लभ मिश्रा ने कहा कि वास्तु कला का यह स्मारक अपने आप में अद्भुत है,

इसका संरक्षण बहुत आवश्यक है। इस अवसर पर दतिया के संयोजक विनोद मिश्रा ने कहा कि दतिया चैप्टर द्वारा शीघ्र ही इस स्थल को एक स्मारक के रूप में निर्माण कराया जाएगा, जो हम सबकी एक महत्वपूर्ण पहल होगी। इस अवसर पर काफी लोग कार्यक्रम में उपस्थित थे।

बौद्ध भिक्षुओं ने लिया देहदान का संकल्प

नगर संवाददाता, दतिया।

जीवित रहते हुए संसार के काम आने के बाद यदि मृत देह भी चिकित्सा एवं अनुसंधान के काम आए, तो इससे बड़ा पुण्य क्या होगा। देहदान, महादान इस उक्ति को चरितार्थ करते हुए गुरुवार को मेडिकल कॉलेज दतिया में दो बौद्ध भिक्षुओं के द्वारा मरणोपरांत अपनी पार्थिव देह चिकित्सा छात्रों के अध्ययन एवं अनुसंधान के लिए दान का संकल्प लिया गया।

देहदान को सर्वोच्च दान बताते हुए मेडिकल कॉलेज दतिया के डीन डॉ. दीपक सिंह ने दोनों महापुरुषों को धन्यवाद देते हुए बताया कि ये अत्यंत पुनीत कार्य है, उनका यह कार्य समाज में देहदान के प्रति जन जाग्रति लाने वाला है।

फार्माकोलॉजी के विभागाध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र बौद्ध ने देहदान का महत्व समझाते हुए बताया कि मृत शरीर का सम्पूर्ण सम्मान

रखते हुए आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में उसका उपयोग अनुसंधान एवं अध्यापन के लिए किया जाता है। एनाटॉमी के विभागाध्यक्ष डॉ. समीर साठे ने कहा कि देहदान जैसे पुनीत कार्य के लिए इच्छुक व्यक्ति एनाटॉमी विभाग में उनसे सम्पर्क कर सकता है, सामान्य पेपर वर्क की प्रक्रिया पूर्ण करने के पश्चात देहदान की अनुमति मिल जाती है। समाज को कुशल चिकित्सक देने के लिए उसको मानव शरीर रचना का पूरा ज्ञान होना आवश्यक है, जो मृत शरीर पर परीक्षण द्वारा ही संभव है। इसके लिए देहदान अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

सरस्वती विद्या मंदिर में चल रहे व्यक्तित्व विकास शिविर में शहर के कई विशेषज्ञ दे रहे प्रशिक्षिण

दतिया। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बुंदेला नगर में भैया बहनों एवं आचार्य परिवार के व्यक्तित्व विकास के लिए 01 मई से कक्षाएं चल रही हैं। इन कक्षाओं में इंग्लिश स्पोकन एवं कंप्यूटर का ज्ञान कराया जा रहा है।

यह कार्य शहर के विषय विशेषज्ञों द्वारा किया जा रहा है। इन कक्षाओं का समापन 11 मई को होगा।

विद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि विद्यालय के भैया बहनों के शारीरिक विकास और कलात्मक विकास के लिए खेल प्रशिक्षण वर्ग और संगीत प्रशिक्षण की कक्षाएं जल्दी ही शुरू की जाएंगी।

बिना बांटे 1.88 लाख रुपए का राशन रिकार्ड में चढ़ाया, ग्रामीणों ने की एसडीएम से शिकायत

शिवपुरी। शासकीय उचित मूल्य दुकान सकलपुर के सेल्समैन ने बिना बांटे 1.88 लाख से ज्यादा कीमत का राशन रिकार्ड में चढ़ा दिया है। नाराज हितग्राही बुधवार को एसडीएम दफ्तर पहुंच गए। हितग्राहियों ने पूरे मामले की जांच कर सेल्समैन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उचित मूल्य दुकान सकलपुर में हितग्राहियों को अप्रैल महीने का राशन अलॉट होते हुए भी नहीं बांटा। 30 अप्रैल निकलते ही सेल्समैन ने हितग्राहियों को अंगूठे लगवा लिए, जिसमें अप्रैल व मई दोनों माह का राशन रिकार्ड में वितरित करना दर्शा दिया। जिसमें 89.82 क्विंटल गेहूं-चावल 2.67 किग्रा शक्कर और 202 किलो नमक शामिल है। हितग्राहियों को राशन नहीं मिला तो विरोध कर दिया। संस्था संचालक व खाद्य विभाग के अफसरों ने सेल्समैन ही बदल लिया, लेकिन अभी तक किसी भी हितग्राही को राशन नहीं मिला है। ग्रामीणों का कहना है कि शासकीय उचित मूल्य दुकान सकलपुर से सेल्समैन धर्मेंद्र मांझी ने हम लोगों से यह कहकर अंगूठे लगवा लिए कि अभी ऊपर से माल नहीं आया है। आप लोग अंगूठे लगा दो, जब माल आएगा तो मैं तुम लोगों को दे दूंगा। जब फोन लगाकर सेल्समैन से माल की जानकारी लेनी चाही तो कई बार कॉल रिसीव नहीं किया। एक बार कॉल उठा तो बोला कि मुझे दुकान से हटा दिया है। अब दूसरा सेल्समैन माल बांटेगा। दूसरे सेल्समैन से बात की तो वह बोला कि मुझे कुछ मालूम नहीं है। मैंने तो फूड ऑफिस में 80 हजार रुपए दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि धर्मेंद्र मांझी ने हम हितग्राहियों से कहा है कि तुम मेरी शिकायत कर दो, मेरा कुछ नहीं होगा। क्योंकि मैं तो ऊपर हर महीने पैसे देता हूं।

डॉक्टर्स सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

संक्रमण से हो सकती है पेट दर्द-मितली की समस्या

मेरी उम्र 29 साल है। मुझे कुछ दिनों से पेट में दर्द, दस्त, मितली हो रही है। कृपया मेरी समस्या का समाधान बताएं?

-धनेश, रोहतक

आपको चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए। कई बार संक्रमण की वजह से इस तरह की समस्याएं हो जाती हैं। इसके अलावा कई बार लीवर संबंधी समस्या के चलते भी उल्टी और दस्त आने लगते हैं। इसलिए बगैर जांच कराए कोई भी ट्रीटमेंट शुरू करना ठीक नहीं होगा। आप एक बार जनरल फिजिशियन से संपर्क कर अपनी जांच करवा लें। जांच के आधार पर ही आपका प्रॉपर ट्रीटमेंट किया जा सकेगा।

मेरी उम्र 37 वर्ष है। मुझे फ्रूट शेक पीना अच्छा लगता है लेकिन पीने के कुछ देर बाद पेट में गैस और एसिडिटी की प्रॉब्लम होती है। प्लीज बताएं मुझे क्या करना चाहिए?

-अमिताभ, रायपुर

फ्रूट शेक पीना स्वास्थ्य के लिए अच्छा है, लेकिन जैसा आप बता रहे हैं कि इसे पीने के बाद आपको गैस और एसिडिटी की समस्या होती है। इसलिए आप संतरा, सेब, अंगूर जैसे फलों का शेक नहीं पीजिए। इनसे गैस की समस्या और बढ़ जाएगी। इन फलों के अलावा अन्य जो फल आपको पसंद हैं, उनका शेक आप पी सकते हैं, इससे गैस और एसिडिटी की प्रॉब्लम नहीं होगी।

मेरी उम्र 44 साल है। पिछले कुछ हफ्तों से मेरे हाथ के नाखून पर पीलापन दिख रहा है। कमजोरी भी महसूस होती है। ऐसा क्यों हो रहा है, मुझे क्या करना चाहिए कृपया बताएं?

-पंकज, भोपाल

जैसा आप बता रहे हैं उस बेस पर ऐसा लग रहा है कि आपको ज्वाइंडिस हो सकता है, क्योंकि कमजोरी आना और नाखून में पीलापन होना इसके लक्षण हो सकते हैं। हालांकि साथ में इसके और भी कई लक्षण जैसे भूख न लगना और फीवर आना भी हैं। आप इन लक्षणों पर गौर करें और बेहतर होगा कि एक बार डॉक्टर से संपर्क कर अच्छी तरह उनके द्वारा बताई गई जांच करा लें। इसके बाद ही आपका कोई ट्रीटमेंट शुरू हो पाएगा। अपने मन से कोई दवा ना लें, इससे नुकसान हो सकता है।

मेरी उम्र 38 साल है। मेरे चेहरे पर 10-12 तिल हैं। ये दिखने में अच्छे नहीं लगते हैं, मैं इनको हटवाना चाहता हूं। क्या इसके लिए लेजर सर्जरी कारगर है? प्लीज बताएं मुझे क्या करना चाहिए?

-दिनेश, जबलपुर

जी हां, लेजर सर्जरी से स्किन पर मौजूद तिल हटाए जा सकते हैं, लेकिन इस बात का ध्यान रखना होगा कि आपको स्किन में किसी तरह की एलर्जी तो नहीं है या अन्य कोई बीमारी तो नहीं है। यह डॉक्टर जांच करके ही बता पाएंगे। इसके लिए आपके कुछ टेस्ट किए जा सकते हैं। उसके बाद ही लेजर सर्जरी कराएं तो बेहतर होगा। बेहतर होगा आप किसी डर्मेटोलॉजिस्ट डॉक्टर से कंसल्ट कर उनके कहे अनुसार ट्रीटमेंट करवाएं।

मेरी उम्र 32 साल है। मुझे कुछ दिनों से भूख बिल्कुल भी नहीं लग रही है। खाने में टेस्ट भी नहीं आ रहा है। बुखार या वायरल नहीं हुआ है। मैं अपनी भूख बढ़ाने के लिए क्या करूं, कृपया कोई ट्रीटमेंट बताएं?

-अंकुर, बिलासपुर

भूख ना लगना किसी ना किसी बीमारी का लक्षण हो सकता है, इसलिए सबसे पहले आप डॉक्टर से कंसल्ट कर अपनी जांच करा लें। कई बार पेट में संक्रमण या हल्के बुखार की वजह से भी भूख कम लगती है। जांच से ही पता चलेगा कि भूख न लगने की वजह क्या है? इस बारे में लापरवाही न बरतें। डॉक्टर के कहे अनुसार पेट संबंधी जांच कराएं, जिससे भूख न लगने का कारण पता चल सकता है और उसके बाद ही उसका उपचार हो सकेगा। *

प्रस्तुति : रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. मोहसिन वली
सीनियर फिजिशियन, सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली

वर्ल्ड हाइपरटेंशन-डे / 17 मई, स्पेशल

हाइपरटेंशन की समस्या से पूरी दुनिया में करोड़ों लोग ग्रस्त हैं। चिंताजनक बात यह है कि अब ओल्ड एज ही नहीं यंगस्टर्स भी तेजी से इसकी चपेट में आ रहे हैं। हाइपरटेंशन की प्रॉब्लम्स लोगों में क्यों बढ़ रही है, इसके क्या खतरे हो सकते हैं, इसके प्रमुख लक्षणों और बचाव के तरीकों के बारे में हम दे रहे हैं महत्वपूर्ण जानकारियां।

ओल्ड एज के साथ यंगस्टर्स में भी बढ़ रहा है हाइपरटेंशन

हाल के वर्षों में हाइपरटेंशन हमारी हेल्थ के लिए एक बड़े खतरे के रूप में उभर रहा है। यह सच है कि उम्र बढ़ने के साथ इसका रिस्क भी बढ़ता है, लेकिन आजकल जीवनशैली अनियमित होने से यंगस्टर्स भी इसके शिकार हो रहे हैं।

क्या कहते हैं आंकड़े

आज पूरी दुनिया में बड़ी तादाद में लोग इससे ग्रस्त हैं। विश्व भर में हाइपरटेंशन के जितने भी पेशेंट हैं, उसमें से दो-तिहाई लोग विकासशील देशों में हैं। भारत की बात करें तो हर तीन में से एक व्यक्ति को हाइपरटेंशन की समस्या है। गांवों में 10 प्रतिशत की तुलना में शहरों में 25 प्रतिशत लोगों में यह देखने को मिलता है। कुल मरीजों में से दो-तिहाई की उम्र 60 साल से कम होती है। 85 प्रतिशत लोग ऐसे होते हैं, जिनमें हाइपरटेंशन के साथ कोई न कोई दूसरी बीमारियां भी जुड़ी होती हैं।

क्या होता है हाइपरटेंशन

हृदय एक पंप के रूप में काम करता है और ब्लड का पूरे शरीर में सर्कुलेशन करता है। ब्लड सर्कुलेशन के समय होने वाले ब्लड के प्रेशर को ब्लड प्रेशर कहते हैं। जब हार्ट ब्लड को पंप करता है, तब प्रेशर ज्यादा होता है जिसे सिस्टोलिक ब्लड प्रेशर कहा जाता है। और दूसरी बीट से पहले हार्ट रिलेक्स कर रहा होता है, तब ब्लड प्रेशर कम होता है, जिसे डायस्टोलिक ब्लड प्रेशर कहते हैं। शरीर की संरचना और आयु के हिसाब से विभिन्न व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर में अंतर हो सकता है। यह दैनिक प्रक्रियाओं से भी प्रभावित होता है। अगर व्यक्ति का ब्लड प्रेशर 140/90 या उससे अधिक हो तो इसे हाइपरटेंशन या हाई ब्लड प्रेशर की अवस्था कहते हैं। ब्लड सर्कुलेशन बाधित होने पर ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। जबकि स्वस्थ रहने के लिए ब्लड प्रेशर के दोनों पाइंट्स को कंट्रोल करना जरूरी है। खासकर बड़ी उम्र 55-60 साल से ज्यादा उम्र के बाद सिस्टोलिक हाइपरटेंशन का नियमित चेकअप कराना जरूरी है। इससे व्यक्ति को कार्डियोवैस्कुलर डिजीज होने का खतरा रहता है। हाइपरटेंशन दो तरह का होता है। पहला एसेंशियल या प्राइमरी हाइपरटेंशन, जिसके अधिकतर मरीजों में हाई ब्लड प्रेशर का कोई कारण स्पष्ट नहीं होता है। दूसरा सेकेंडरी हाइपरटेंशन, यानी किसी बीमारी या दूसरे कारणों से हाई ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है।

रोग के कारण

किशोर और युवाओं में हाइपरटेंशन के कई सेकेंडरी कारण हो सकते हैं, इनमें शामिल हैं-अनियमित और आरामपरस्त जीवनशैली, अनहेल्दी खान-पान, खाने में नमक की अधिकता, पढ़ाई या करियर को लेकर तनाव, मोटापा, किडनी की बीमारी, आर्टरीज में ब्लॉकेज, हार्मोन संबंधी समस्याएं, महिलाओं में गर्भावस्था, थाइरॉयड की समस्या, हाइपरटेंशन की फैमिली हिस्ट्री होना, एल्कोहल और उसके साथ नमकीन स्नैक्स का अधिक सेवन, स्मोकिंग या तंबाकूका सेवन।

हाई ब्लड प्रेशर के लक्षण

हाइपरटेंशन को साइलेंट किलर भी कहा जाता है क्योंकि इससे ग्रस्त 90 प्रतिशत रोगियों में इसके कोई लक्षण नहीं होते हैं। आमतौर पर बीपी बढ़ने पर इस तरह के लक्षण दिखते हैं जैसे- सिरदर्द होना, धड़कनों का तेज होना, चलते समय सांस फूलना, चक्कर आना, थकावट महसूस होना।

रिस्क फैक्टर्स

सामान्य व्यक्ति में सिस्टोलिक ब्लड प्रेशर 140 और डायस्टोलिक 90 से नीचे होना चाहिए। लेकिन डायबिटीज के मरीजों में रिस्क बहुत बढ़ जाता है इसलिए उनका ब्लड प्रेशर 130/80 से कम होना चाहिए। अगर हाई ब्लड प्रेशर को पहचानकर सही इलाज न हो तो इसका बढ़ा हुआ स्तर हमारे पूरे शरीर पर प्रभाव डालता है और हार्ट, ब्रेन, लिवर, आंखों जैसे महत्वपूर्ण अंगों को क्षति पहुंचाता है। मरीज को कई समस्याएं हो सकती हैं जैसे- हार्ट अटैक, हार्ट फैल्योर, ब्रेन हैमरेज, ब्रेन स्ट्रोक, पैरालाइसिस, रेटिनल हैमरेज, पेरिफेरल मस्कुलर डिजीज, किडनी फैल्योर। स्टडी के हिसाब से दुनिया भर में होने वाले हार्ट अटैक के 45 प्रतिशत और 50 प्रतिशत से ज्यादा मामलों का मूल कारण हाइपरटेंशन है।

सही ट्रीटमेंट है जरूरी

हाइपरटेंशन के मरीज लक्षण या दिक्कत महसूस न होने पर आमतौर पर उपचार कराने से कतराते हैं। लेकिन इससे उनका ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है और दूसरी समस्याएं होने की संभावना बहुत बढ़ जाती है। जबकि हाई ब्लड प्रेशर की जांच शुरुआती स्टेज पर होने और समुचित ध्यान रखने पर इसे कंट्रोल किया जा सकता है। उपचार के लिए डॉक्टर मरीज को यथासंभव जीवनशैली में बदलाव लाने की सलाह देते हैं। अगर 2 महीने तक मरीज का हाई ब्लड प्रेशर कंट्रोल में नहीं आता, तो उसे मेडिसिन दी जाती हैं। जिन्हें मरीज को रेग्युलर लेना पड़ता है।

कैसे करें बचाव

बचाव के लिए जरूरी है नियमित रूप से हाई ब्लड प्रेशर की जांच करवाएं और जानें कि आपका ब्लड प्रेशर स्टेटस क्या है? अगर आप प्री-हाइपरटेंशन मरीज की कैटेगरी में आते हैं तो इससे बचाव के समुचित कदम उठाने जरूरी हैं। समुचित जांच, सही सलाह और जीवनशैली में बदलाव से हाइपरटेंशन को नियंत्रित किया जा सकता है।

- घर का बना संतुलित और पौष्टिक आहार का सेवन करें। आहार में ज्यादा से ज्यादा मौसमी फल-सब्जियों को शामिल करें। केला, मौसंबी, अनार, नारियल का पानी जैसे पोटेशियम रिच फलों का सेवन अधिक करें। फास्ट फूड, जंक फूड, प्रोसेस्ड फूड, वसायुक्त आहार से परहेज करें। ज्यादा नमक वाली चीजें जैसे-पैकेज्ड फूड, अचार, पापड़, चिप्स, नमकीन, चीज, ब्रेड कम खाएं। सलाद में भी नमक डालकर नहीं खाना चाहिए।
- यथासंभव वजन नियंत्रित रखें। रेग्युलर कम से कम 45 मिनट फिजिकल एक्टिविटीज, योगा या एक्सरसाइज करें। ब्रिस्क वॉक करें। स्ट्रेस कम करने के लिए मेडिटेशन करें।

- आहार में नमक कम से कम लें। खासकर टेबल सॉल्ट यानी ऊपर में नमक मिलाना अवॉयड करें।
- चाय-कॉफी जैसे कैफीनयुक्त पेय का सेवन सीमित मात्रा में करें।
- घर पर ब्लडप्रेशर मॉनिटर से रेग्युलर चेक करें। ध्यान रखें कि ब्लड प्रेशर मॉनिटर करते समय रिलैक्स रहें। समय-समय पर डॉक्टर को कंसल्ट करने से घबराएं नहीं। अगर आपका ब्लड प्रेशर काफी समय से 140/90 मिमी एचजी से अधिक हो तो डॉक्टर के परामर्श से नियमित दवाई लें।
- रेग्युलर बीपी चेकअप कराएं ताकि ब्लड प्रेशर से शरीर के दूसरे अंगों पर पड़ने वाले प्रभाव की यथासमय जांच भी हो जाए। अगर कोई गंभीर बीमारी हो, तो डॉक्टर से परामर्श करके उपचार कराएं।
- एल्कोहल और स्मोकिंग से परहेज करें। *

प्रस्तुति : रजनी अरोड़ा

फिटनेस फंडा

विद्युत जामवाल

मैं एक्सरसाइज को एंज्वॉय करता हूं

बॉलीवुड के सबसे फिट, एनर्जेटिक और एक्शन में एक्सपर्ट एक्टर्स में विद्युत जामवाल भी शामिल हैं। कल ही उनकी एक्शन पैक्ड पेट्रिऑटिक स्पाई थ्रिलर फिल्म 'आईबी 71' रिलीज हो रही है। इतना बिजी रहने के बावजूद वे कैसे अपनी हेल्थ-फिटनेस पर ध्यान देते हैं, बता रहे हैं अपनी जुबानी।

हेल्दी लाइफस्टाइल की इंपॉर्टेंस

बॉडी को हेल्दी बनाने के लिए मुझे जब भी समय मिलता है, मैं कोशिश करता हूं कि वर्कआउट करूं। मेरा मानना है जिस तरह अगर किसी के पास बहुत महंगी गाड़ी है तो उसका ध्यान रखना पड़ता है। यह आप पर निर्भर करता है कि आप अपनी गाड़ी को कितना महंगा यानी इंपॉर्टेंट समझते हैं, कितना समय दे पाते हैं? हमारे लिए महंगी से महंगी गाड़ी से भी ज्यादा मूल्यवान है हमारा शरीर, हमारा दिमाग। तो हमें स्वयं सोचना चाहिए कि इसको हेल्दी और फिट रखने के लिए हम क्या कर सकते हैं। जब तक हमारी बॉडी-माइंड हेल्दी नहीं होगा, हम हेल्दी लाइफ कैसे जी सकते हैं?

मेरा डाइट प्लान

मैं बहुत देसी परिवेश में बड़ा हुआ हूं। मेरे पापा आर्मी में थे, तो मैं देशभर के कई छोटे-छोटे शहरों में रहा हूं। हम लोगों के लिए डाइट का मतलब हेल्दी फूड होता है। मैं अपनी फेवरेट डिशेज भी खाता हूं, लेकिन इसके साथ मैं वर्कआउट रेग्युलर करता हूं। जब जो मन करता है, खा लेता हूं लेकिन डिसिप्लिन के साथ रेग्युलर वर्कआउट जरूर करता हूं।

मेंटल फिटनेस है जरूरी

आजकल मेंटल इलनेस की काफी बातें हो रही हैं, इसके बहुत से कारण हैं। मेन दिक्कत यह है कि आज अधिकांश लोग मोबाइल, लैपटॉप जैसे गैजेट्स से अपने दिमाग को तो बहुत बिजी रखते हैं, लेकिन उनका शरीर अधिकतर स्थिर बैठा रहता है। जब शरीर स्थिर रहेगा और दिमाग चलता रहेगा तो दिमाग एग्जॉस्ट हो जाता है। मुझे लगता है कि मेंटल प्रॉब्लम्स से बचने और फिटनेस के लिए लेजीनेस से दूर रहना चाहिए। खासकर बच्चों, टीनएजर्स और यंगस्टर्स को मूवमेंट के लिए मोटिवेट करना चाहिए। अगर हमको टीवी बंद करना है तो रिमोट से बंद करने के बजाय खुद उठकर जाएं और बंद करें। पानी किसी से मांगने के बजाय खुद उठकर पिएं। ऐसे शारीरिक एक्टिविटी करते रहेंगे तो मानसिक स्थिति भी सही रहेगी। आजकल तो बच्चों को भी डिप्रेशन हो रहा है। इसकी भी यही वजह है कि वो दिनभर कंप्यूटर-मोबाइल में बिजी रहता है, लेकिन बॉडी मूव नहीं करती है। मेरा मानना है कि अगर हम लेजीनेस छोड़ दें तो बहुत कुछ ठीक हो जाए। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि टेक्नोलॉजी खराब है, लेकिन हमें इसके यूज के साथ मेंटल और फिजिकल एक्टिवनेस बनाने की भी कोशिश करनी जरूरी है। जब शरीर एक्टिव रहेगा तो दिमाग भी हेल्दी-फिट और एक्टिव रहेगा।

एंज्वॉय करें हर काम

मेंटली हेल्दी रहने के लिए सबसे सिंपल तरीका है कि हर काम को एंज्वॉय कीजिए। आप जो भी काम कर रहे हैं, उसमें अगर मजा नहीं आ रहा है तो आपकी मेंटल हेल्थ अच्छी नहीं रहेगी। मेंटली हेल्दी रहने के लिए हर काम में एंज्वॉयमेंट बहुत जरूरी है। मिसाल के तौर पर मैं सिर्फ बॉडी बनाने के लिए एक्सरसाइज नहीं करता, मुझे एक्सरसाइज करने में मजा आता है। यानी एक्सरसाइज को मैं एंज्वॉय करता हूं। इसीलिए एक्सरसाइज से मैं फिजिकली तो फिट रहता ही हूं, मेंटली भी सैटिस्फाइड-हैप्पी रहता हूं। *

प्रस्तुति : सेहत फीचर्स

प्राणायाम करने का सही समय क्या है? इससे करने से पहले जान लें ये नियम

जिंदगी में अक्सर उथल-पुथल मची रहती है। जिसके चलते मन बहुत अशांत हो जाता है। ऐसे में आप किसी अपने से बात करने के अलावा योग और प्राणायाम का सहारा भी ले सकते हैं। अक्सर सभी के मन में सवाल उठता है कि प्राणायाम करने का सही समय क्या है? इससे पहले यह जान लेना बहुत जरूरी है कि प्राणायाम आखिर क्या है-

प्राणायाम क्या है?

योग के आठ अंगों में से चौथा अंग है प्राणायाम। प्राण+आयाम से प्राणायाम शब्द बनता है। प्राण का अर्थ जीवात्मा माना जाता है, लेकिन इसका संबंध शरीरांतर्गत वायु से है जिसका मुख्य स्थान हृदय में है। व्यक्ति जब जन्म लेता है तो गहरी श्वास लेता है और जब मरता है तो पूर्णत: श्वास छोड़ देता है। तब सिद्ध हुआ कि वायु ही प्राण है। आयाम के दो अर्थ है- प्रथम नियंत्रण या रोकना, द्वितीय विस्तार। हम जब साँस लेते हैं तो भीतर जा रही हवा या वायु पाँच भागों में विभक्त हो जाती है या कहें कि वह शरीर के भीतर पाँच जगह स्थिर हो जाता हैं। ये पंचक निम्न हैं- (1) व्यान, (2) समान, (3) अपान, (4) उदान और (5) प्राण।

प्राणायाम का आदर्श समय

प्राणायाम करने का सबसे सही समय सुबह है। सुबह खाली ही प्राणायाम करना चाहिए। व्यायाम करते समय भोजन पर भार न डालें क्योंकि यह आपके कसरत की प्रभावशीलता को कम कर देगा। आपको इसे हमेशा सुबह जल्दी करने की जरूरत नहीं है। बस आपका पेट खाली होना चाहिए और अपशिष्ट उत्पादों से मुक्त होना चाहिए। अगर आप इसे दिन के दौरान करते हैं, तो भोजन के बाद कम से कम 3 से 4 घंटे का ब्रेक लें। चाय और फलों के मामले में, पानी पीने के बाद 45 मिनट 15 मिनट तक इंतजार करें।

अवेयरनेस / राजकुमार 'दिनकर'

सीमित मात्रा में करें नमक का सेवन

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन द्वारा हाल ही में किए गए एक अध्ययन में पाया गया है कि भोजन में ज्यादा नमक खाने से हर साल तीन मिलियन लोगों की मौत होती है। इसीलिए डब्ल्यूएचओ द्वारा सोडियम यानी नमक की खपत के लिए नए मानक जारी किए हैं। हर व्यक्ति के लिए दिन में मात्र 5 ग्राम नमक का सेवन करने की सिफारिश की गई है। इसके साथ ही 60 से ज्यादा फूड कैटेगिरीज में नमक के लिए नए मानदंड तैयार किए हैं।

हो सकती हैं प्रॉब्लम्स : हमें लगभग एक छोटा चम्मच नमक की प्रतिदिन की ही जरूरत होती है। जबकि डब्ल्यूएचओ का कहना है कि हम सभी प्रतिदिन जरूरत से दोगुना नमक खा रहे हैं। यही वजह है कि ब्लड प्रेशर, हृदय रोग और स्ट्रोक का खतरा तो बढ़ ही रहा है, ज्यादा नमक हड्डियों को भी कमजोर बना रहा है। ज्यादा नमक हमारी रक्त धमनियों को संकुचित करता है और हृदय की कार्यप्रणाली को बाधित करने के साथ रक्तचाप को बढ़ाता है। उच्च रक्तचाप या हाइपरटेंशन हार्टअटैक के लिए एक बड़ा खतरा है। पथरी, पेट का कैंसर और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारियां भी इससे जुड़ी हैं।

प्रोसेस्ड फूड्स से रहें दूर : सामान्य तौर पर हम अपने भोजन में जरूरत से ज्यादा नमक खाते हैं। वयस्क व्यक्ति 5 ग्राम की निर्देशित मात्रा की बजाय करीब 20 ग्राम नमक प्रतिदिन खाते हैं। प्रोसेस्ड फूड में अप्रत्यक्ष रूप से सोडियम की मात्रा ज्यादा होती है। इनमें दूसरे अन्य रासायनिक तत्व भी मिलाए जाते हैं, जो हमारी सेहत के लिए खतरनाक होते हैं। प्रोसेस्ड फूड खरीदते समय हमें उत्पाद पर लगे लेबल को पढ़ने के बाद ही खरीदना चाहिए, लेबल के जरिए ही हम छिपे हुए नमक की मात्रा को जान सकते हैं। फास्ट फूड जैसे समोसा, पकोड़ा, चाऊमीन, पिज्जा, बर्गर इनमें सोडियम ज्यादा होता है।

ऐसे करें नमक का सेवन सीमित : अपने रोज खाए जाने वाले भोजन में नमक की मात्रा को हम कई तरीकों से कम कर सकते हैं। प्रोसेस्ड फूड खरीदते समय कम सोडियमयुक्त चीजें खरीदें। पैक्ड फूड्स पर लगे लेबल को ध्यान से पढ़ें और सुनिश्चित कर लें कि इसमें सोडियम की कितनी मात्रा है। प्रोसेस्ड फूड जैसे कॉर्न फ्लेक्स, चीज, रेडी टू इट फूड्स जैसी चीजों से बचें। खाने में नमक की मात्रा कम रखें। खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए इसमें नीबू, धनिया, टमाटर और लहसुन का इस्तेमाल करना चाहिए। डिब्बाबंद सब्जियों की बजाय ताजी सब्जियां खाएं। भोजन के साथ अलग-अलग तरह की ताजी चटनियां बनाकर खाएं। सोया सॉस, टमाटर सॉस और चिली सॉस जैसी चीजों में नमक की मात्रा ज्यादा होती है। इन्हें खाने से बचें। *

संक्षिप्त समाचार

भारतीय महिला टीम ने बांग्लादेश का किया सफाया

सिलहट। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश को पांचवें टी-20 मैच में 21 रन से हराकर पांच मैचों की टी-20 सीरीज 5-0 से अपने नाम की। सिलहट में खेले गए मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट के नुकसान पर 156 का स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में बांग्लादेश की टीम के बल्लेबाजों का प्रदर्शन खराब रहा और पूरी टीम 135/6 रन ही बना सकी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही थी, जब 14 रन के स्कोर पर शेफाली वर्मा के रूप में भारत ने अपना पहला विकेट गंवा दिया था। स्मृति मंधाना और हेमलता के बीच अर्धशतकीय साझेदारी बनी। हेमलता 37 रन और स्मृति मंधाना 33 रन बनाकर पवेलियन लौटी। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 24 गेंदों में 30 रन बनाए। ऋचा घोष ने तबाड़तोड़ बल्लेबाजी कर 17 गेंदों पर नाबाद 28 रन बनाए, जिसकी बदौलत भारतीय महिला टीम ने पांच विकेट पर 156 रन बनाए।

विश्व नंबर-14 को हराकर क्वार्टर फाइनल में मनिका

नई दिल्ली। मनिका बत्रा एलीट डब्ल्यूडब्ल्यूटी टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने वाली पहली भारतीय महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी बन गईं, जिन्होंने दुनिया की 14वें नंबर की खिलाड़ी नीना मिट्टेलहम को हराया। दूसरे दौर में दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी वांग मान्यु को हराने के बाद बत्रा ने जर्मनी की नीना को 22 मिनट में 11-6, 11-9, 11-7 से मात दी।

अधिराज फाइनल में

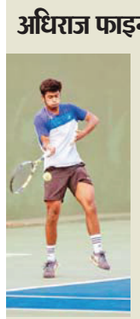

ग्वालियर। शहर के अंतरराष्ट्रीय टेनिस खिलाड़ी अधिराज ठाकुर ने अपने साथी के साथ बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते अपने शहर का नाम रोशन किया है। उन्होंने ओजस महलावत के साथ गुरुवार को भुवनेश्वर में खेली जा रहे आइटीएफ वर्ल्ड टेनिस टूर जूनियर-2024 के युगल सेमीफाइनल मुकाबले में शीर्ष वरीयता प्राप्त 7-6, 6-7, 10-5 से आदित्य मोर-प्रनील शर्मा की जोड़ी को हराकर फाइनल में जगह बनाई।

बेंगलुरु ने पंजाब को 60 रन से धोया

एजेंसी ■ धर्मशाला

धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला गया आईपीएल के 58वें मैच में बेंगलुरु ने पंजाब को 60 रन से हरा दिया। इसी के साथ बेंगलुरु के 12 मैच में 10 अंक हैं। बेंगलुरु ने पहले खेलते हुए विराट कोहली के 92, रजत पाटीदार के 55 तो कैमरून ग्रीन के 46 रनों की बदौलत 7 विकेट खोकर 241 रन बना लिए हैं। जिसके जवाब में पंजाब की पूरी टीम 181 रन पर ऑलआउट हो गई।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी बेंगलुरु को शुरूआती झटके लगे। फाफ डु प्लेसिस (9) और विल जैक (12) रन पर आउट हो गए। रजत 23 गेंदों पर 3 चौके और 6 छक्कों की मदद से 55 रन बनाए। विराट और कैमरून लय में दिखे। विराट कोहली ने 47 गेंदों पर 7 चौके और 6 छक्कों की मदद से 92 रन बनाए। इसके बाद कैमरून ग्रीन और दिनेश कार्तिक ने रनों की गति तेज कर दी। दिनेश कार्तिक ने 7 गेंदों पर 18 वहीं, ग्रीन ने 27 गेंदों पर 5 चौके और एक छक्के की मदद से 46 रन बनाए और आरसीबी को 7 विकेट पर 241 रनों तक पहुंचा दिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब की शुरूआत खराब रही। पहली ही ओवर में प्रभसिमरण 6 रन बनाकर आउट हो गए। बेयरस्टो भी 27 रन बनाकर चलते बने। इस दौरान रिले रोसौव का बल्ला जमकर चला। उन्होंने 27 गेंदों पर 9 चौके और 3 छक्कों की मदद से 61 रन बनाए और कर्ण शर्मा का शिकार हो गए। रोसौव के आउट होते ही पंजाब पूरी तरह से बिखर गई और पूरी टीम 181 रन पर सिमट गई।

विराट ने खेली 92 रन की पारी

हेड ने अभिषेक की प्रशंसा करते हुए उसे भारतीय क्रिकेट के लिए एक शानदार प्रतिभा बताया

एजेंसी ■ हैदराबाइद

सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलिया के आक्रामक बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने युवा अभिषेक शर्मा की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह भारतीय क्रिकेट के लिए एक बेहतरीन प्रतिभा है। हेड ने इस सत्र में अभिषेक के साथ आक्रमक शुरुआत करते हुए कई अहम पारियां खेली हैं। हेड ने लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ 30 गेंद में नाबाद 89 और अभिषेक ने 28 गेंद में नाबाद 75 रन बनाये थे। इन दोनो ने 166 रन का लक्ष्य 9.4 प्रतिभा है। हमारे बीच काफी अच्छा तालमेल था और उसके साथ खेलने में बहुत आनंद आया। वह काफी ऊर्जावान है और अपने खेल को सजग रहता है। हेड ने आईपीएल की 11 पारियों में ही 533 रन बना दिये हैं। ऐसे में अगले महीने वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले विश्व कप के लिए उन्हें अभ्यास का भी अच्छा अवसर मिला है। इसी को लेकर हेड ने कहा कि इससे वेस्टइंडीज में बेहतर प्रदर्शन की गारंटी नहीं मिलती है।

हेड ने कहा, 'आप हमेशा लगातार अच्छा खेलना चाहते हैं।

रियल मैड्रिड यूएफा चैंपियंस लीग के फाइनल में

सेमीफाइनल में मैड्रिड ने म्यूनिख को 2-1 से हराया

ब्यूरो ■ नई दिल्ली

रियल मैड्रिड यूएफा चैंपियंस लीग के फाइनल में पहुंच गई है। टीम ने सेमीफाइनल के दूसरे लेग में बायर्न म्यूनिख को 2-1 से हराया। इस तरह दोनों लेग को मिला कर रियल मैड्रिड ने 4-3 से फाइनल में प्रवेश कर लिया। इससे पहले सेमीफाइनल के पहले लेग में दोनों टीमों ने 2-2 गोल किया था। 14 बार के यूरोपीय चैंपियन रियल मैड्रिड का सामना फाइनल में शनिवार वेम्बली में डॉर्टमंड से होगा। रियल मैड्रिड के लिए दोनों गोल जोसेलु ने किया। वहीं म्यूनिख के लिए एक मात्र गोल डेविस ने किया।

दोनों टीमें हाफ टाइम तक बराबरी पर थीं। मैच के 68वें मिनट में म्यूनिख के डेविस ने गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी और फाइनल के लिए राह आसान कर दिया। उन्होंने सेंटर सर्कल में साथी खिलाड़ी केन के बायीं ओर से दिए पास को गोल में तब्दील कर टीम को मैच में आगे कर दिया।

सीनियर खिलाड़ी हार्दिक की कप्तानी से खफा

मुंबई। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस का अभियान आईपीएल के मौजूदा सीजन में अच्छा नहीं रहा है और टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई है। मुंबई के खराब प्रदर्शन के बाद टीम में विवाद गहरा गया है और कई सीनियर खिलाड़ी हार्दिक पांड्या की कप्तानी से खफा बताए जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, टीम के कुछ सीनियर खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान हार्दिक पांड्या के कप्तानी करने के तरीके पर सवाल खड़े किए हैं। हार के बाद पूर्व कप्तान रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और सूर्यकुमार यादव के बीच बैठक हुई जहां इन तीनों ने हार के कारण पर चर्चा की। इसके अलावा अलग से भी हार के कारण को पहचानने के लिए बैठक की गई। मुंबई इंडियंस से जुड़े एक अधिकारी ने मीडिया रिपोर्ट के हवाले से कहा, जब टीम में परिवर्तन होता है तो ऐसी तकनीकी दिक्कतें होती हैं। खेल में यह आम बात है।

हॉकी प्रो लीग के लिए भारत की 24 सदस्यीय टीम घोषित

हरमनप्रीत करेंगे भारत की अगुआई

ब्यूरो ■ नई दिल्ली

हरमनप्रीत सिंह 22 मई से शुरू हो रहे एफआईएच हॉकी प्रो लीग के यूरोप चरण में भारत की 24 सदस्यीय टीम की अगुआई करेंगे। भारत यूरोप चरण में कुल आठ मैच खेलेगा। टीम दो चरण के टूर्नामेंट में अर्जेन्टीना, बेल्जियम, जर्मनी और ग्रेट ब्रिटेन से दो-दो मैच खेलेगी। पहला चरण 22 से 30 मई तक बेल्जियम के एंटवर्प में होगा जबकि दूसरा चरण लंदन में एक से 12 जून तक खेला जाएगा। यह 26 जुलाई से शुरू हो रहे पेरिस ओलंपिक के लिए भारत की तैयारी के लिए काफी महत्वपूर्ण प्रतियोगिता होगी और मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन को टीम को खेलों के महाकुंभ के लिए तैयार करने का मौका देगी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसी की सरजमीं पर पांच टेस्ट की श्रृंखला में 0-5 की हार के बाद भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी। भारत प्रो लीग तालिका में

अभी आठ मैच में 15 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। नीदरलैंड 12 मैच में 26 अंक के साथ शीर्ष पर है जबकि ऑस्ट्रेलिया के आठ मैच में 20 अंक हैं। फुल्टोन ने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा, 'हम शिविर में कड़ी मेहनत कर रहे हैं और एक-दूसरे के खेल को लेकर समझ विकसित की है। उन्होंने कहा, ''पेरिस ओलंपिक से पहले हमें शीर्ष स्तर की टीमों के खिलाफ खेलने का मौका मिलेगा जिससे हमें अपने खेल को मजबूत और बेहतर करने में मदद मिलेगी।

कप्तान हरमनप्रीत ने कहा, 'एफआईएच प्रो लीग में हमें शीर्ष स्तरीय टीमों के खिलाफ खेलने का मौका मिलेगा। खिलाड़ियों को अनुभव देने के लिए हमने टीम का चयन किया है और इससे मुझे पेरिस ओलंपिक से पहले खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धी प्रारूप में देखने को मिलेगा। मिडफील्डर हार्दिक सिंह को उप कप्तान बनाया गया है।

भारतीय टीम

गोलकीपर : पीआर श्रीजेश, कृष्ण बहादुर पाठक।

डिफेंडर : जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय, जुगराज सिंह, विष्णुकांत सिंह।

मिडफील्डर : विवेक सागर प्रसाद, निलाकांता शर्मा, मनप्रीत सिंह, शमशेर सिंह, हार्दिक सिंह, राजकुमार पाल, मोहम्मद रहील मौसीन।

फॉरवर्ड : मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, गुरजंत सिंह, आकाशदीप सिंह, अराइजीत सिंह हुंदल और बॉबी सिंह धामी।

व्यापार

संक्षिप्त समाचार

सराफा : सोना-चांदी में तेजी

इंदौर। स्थानीय सर्राफा बाजार में सोना तथा चांदी तेजी लिए रही। आज सोना 100 रुपये महंगा बिका विदेशी बाजार में सोना 2318 डालर एवं चांदी 2760 सेन्ट प्रति औंस बिकी। उल्लेखनीय है कि सोना- चांदी के भाव में देर रात तक फेरबदल होता रहता है। सोना 71600 रुपये प्रति 10 ग्राम। चांदी 81000 रु. प्रति किलोग्राम। चांदी सिक्का 900 रु. प्रति नग।

पेट्रोल-डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी लौटने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रु. प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रु. प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रु. प्रति लीटर पर रहा।

बायजूस का नया सेल्स मॉडल

नईदिल्ली। शैक्षणिक सेवायें प्रदाता बायजूस ने अपने सेल्स मॉडल को पुश-आधारित से पुल-आधारित मॉडल में बदल दिया है जो 'चूकने के डर' के बजाय 'सीखने के प्यार' पर आधारित है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि अब मैनेजर सेल्स टीम के साथ एक कोच की तरह व्यवहार करेंगे, जो उन्हें अधिक सहायता करने और मजबूत बनाने पर ध्यान देंगे न कि कॉल कोटा को सख्ती से लागू कराने पर केंद्रित होंगे। सेल्स सहयोगियों को अपने तरीके से काम करने का लचीलापन मिलेगा और उनके द्वारा किए गए कॉल की संख्या पर नजर नहीं रखी जाएगी। बायजूस का कहना है कि अगर आप सिर्फ आधे घंटे काम करके भी नतीजे हासिल कर सकते हैं, तो कृपया ऐसा ही करें। यदि सिर्फ वीकेंड पर काम करना चाहते हैं तो भी कोई दिक्कत नहीं है। उन्हें केवल परिणाम लाने वाले दृष्टिकोण को ही प्रोत्साहित करना है। बायजूस के संस्थापक बायजू रवीन्द्रन ने 1500 से अधिक सेल्स सहयोगियों और मैनेजरों के साथ एक बैठक में कंपनी की सेल्स रणनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव की जानकारी दी।

इंदौर बाजार : खाद्य तेल मजबूत, तिलहन में पूछपरख

दालों में नरमी, शक्कर सस्ती

स्वदेश समाचार ■ इंदौर

सियागंज किराना बाजार में शकर मांग कमी से सस्ती बिकी। खाद्य तेलों में भाव मजबूत बताए गए। आज मूंगफली तेल बढ़कर बिका। तिलहन में पूछपरख रही। दलहनों में भाव मंदे रहे। दालों के भाव नीचे हुए। चावल में लिवाली साधारण रही।

किराना बाजार : सियागंज किराना बाजार में शकर में मांग सुस्ती से भाव नीचे रहे। शकर में 04 गाड़ी की आवक हुई। खोपरा गोला लिवाली से स्थिर रहा। खोपरा बूरा तथा साबूदाना में भाव बने रहे।

तेल-तिलहन : खाद्य तेलों में मजबूती दर्ज की गई। मूंगफली तेल ऊंचा होकर बिका। आने वाले दिनों में खाद्य तेलों में लिवाली सुधार के आसार बताए गए। तिलहनों में कामकाज बढ़त लिए रहा।

दाल-दलहन : संयोगितागंज अनाज मंडी में आज चना 6400 रुपये बिका। दालों में मांग कमी के चलते भाव नीचे हुए। मूंग दाल में उठाव कमजोर बताया गया। चावल में बताया गया।

किराना : शकर 3980 से 4000 रुपये प्रति क्विंटल। खोपरा गोला 114 से 125 रुपये प्रति किलोग्राम। खोपरा बूरा 2400 से 4500 रुपये प्रति 15 किलोग्राम। हल्दी खडी 220 से 285 रुपये प्रति किलोग्राम। साबूदाना 6200 से 6900, पैकिंग में 7200 से 7300 रुपये प्रति क्विंटल।

तिलहन : सरसों निमाड़ी 5200 से 5800, सोयाबीन 4500 से 4550 रुपये प्रति क्विंटल।

तेल : मूंगफली तेल इंदौर 1510 से 1530, सोयाबीन रिफाइंड इंदौर 915 से 920, साल्वेंट 870 से 875, पाम तेल 950 से 955 रुपये प्रति 10 किलो।

दलहन : चना (कांटा) 6350 से 6400, चना विशाल 6100 से 6150, मसूर 6000 से 6025, तुअर निमाड़ी 9800 से 11200, तुअर सफेद (महाराष्ट्र) 11400 से 11600, तुअर (कर्नाटक) 11500 से 11700, मूंग 8200 से 8250, मूंग हल्की 7000 से 7700, उड़द 8800 से 9200, उड़द हल्की 3000 से 5000 रुपये प्रति क्विंटल।

दाल : चना दाल 8250 से 8550, तुअर दाल सवा नंबर 14800 से 14900, तुअर दाल फूल 15800 से 15900, तुअर दाल बोल्ड 16700 से 16800, आयातित तुअर दाल 13800 से 13900, मसूर दाल 7050 से 7350, मूंग दाल 10200 से 10500, मूंग मोगर 11100 से 11400, उड़द दाल 11200 से 11500, उड़द मोगर 11800 से 12000 रुपये प्रति क्विंटल।

चावल-पोहा : बासमती 11500 से 12500, तिबार 10000 से 11000, दुबार 8500 से 9500, मिनी दुबार 7500 से 8500, मोगरा 4500 से 7000, बासमती सैला 7000 से 9500, कालीमूंछ 8000 से 8500, राजभोग 6500 से 7500, दूबराज 4000 से 4500, परमल 2800 से 3000, हंसा सैला 2900 से 3100, हंसा सफेद 2500 से 2700, पोहा 4300 से 4800 रुपये प्रति क्विंटल।

कपास्या खली में मजबूती

इंदौर। पशुआहार कपास्या खली में मजबूती दर्ज की गई। कपास्या खली इंदौर 1840, कपास्या खली देवास 1840, कपास्या खली उज्जैन 1840, कपास्या खली खंडवा 1815, कपास्या खली बुरहानपुर 1815 रुपये प्रति 60 किग्रा.। कपास्या खली अकोला 2875 रुपये प्रति क्विंटल। भाव टैक्स पेड हैं।

रात की धारणा : बाजार नरम

इंदौर। रात की धारणा में तेल बाजार नरमी का रुख लिए रहे। मुम्बई मूंगफली तेल 1505 से 1510, मुम्बई पाम तेल 890 से 895, मुम्बई सोयाबीन रिफाइंड 910 से 915, राजकोट तेलिया 2350 से 2360, गुजरात मूंगफली तेल 1470 से 1475, गुजरात कपास्या तेल 925 से 930, मूंगफली तेल इंदौर 1510 से 1530, सोयाबीन रिफाइंड 915 से 920, इंदौर सोयाबीन साल्वेंट 870 से 875, इंदौर पाम तेल 950 से 955 रुपये प्रति दस किलोग्राम।

रवा-मैदा : रवा 1660, मैदा 1530, आटा 1520, चना बेसन 4350 रुपये प्रति 50 किलोग्राम।

दिल्ली बाजार : सभी जिंसों में स्थिरता बनी रही

एजेंसी ■ नई दिल्ली

विदेशी बाजारों में जारी गिरावट के दबाव में आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में मई का पाम ऑयल वायदा 57 रिंगिट गिरकर 3,900 रिंगिट प्रति टन रह गया। इसी तरह मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.04 सेंट फिसलकर 43.76 सेंट प्रति पौंड बोला गया।इस दौरान घरेलू बाजार में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले स्तर पर पड़ी रही।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे।

दाल-दलहन : चना 6300-6400, दाल चना 7300-7400, मसूर काली 7450-7550, मूंग दाल 10500-10600, उड़द दाल 12700-12800, अरहर दाल 11200-11300 रुपये प्रति क्विंटल रहे। **अनाज :** (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2600-2700 रुपये और चावल : 2800-2900 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़ : चीनी एस 3740-3840, चीनी एम. 4100-4200, मिल डिलीवरी 3620-3720 और गुड़ 4400-4500 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

ग्वालियर बाजार भाव

ग्वालियर। ग्वालियर की विभिन्न मंडियों में प्रमुख जिंसों के भाव।

तिलहन क्विंटल रुपए में

सरसों	5200-5225
सरसों यूपी	5825-5970
तिल्ली	13300-13500
सोयाबीन	4350-4850

अनाज

शरबती गेहूं	3600-4500
मिल क्वालिटी	2350-2450
बाजरा	2200-2400
मक्का	2350- 2450
चना	6000
सोयाबीन	4500-5500

खाद्य तेल 15 लीटर में

सरसों तेल	1520- 1700
सोयाबीन रिफा.	1470-1610
फोरच्यून	1590
महाकोष	1470- 1560
सनफ्लावर रिफा.	1620
पूर्ति	1450
मूंगफली रिफा.	2650

गुड क्विंटल में

देशी	4500-4600
पसेरा	3900-4000
लड्डू	---
चाकू	---
बूरा	4500-4600
खुरपा	----

किराना बाजार किलो में

हल्दी गट्टा	200
फली	220
धनियां	150
मूंगफली दाना	120
लाल मिर्च	300
काली मिर्च	700-800
लोंग	1200
इलाइची छोटी	3000
इलाइची बड़ी	2000
सौंफ	200-400
मैथीदाना	100-125
अजबाइन	400
साबूदाना	80-100
दालचीनी	400
जीरा	380-400
अमचूर	300
सौंठ	500
जावित्री	3000
शक्कर	44
राजमा	140
काबुली चना	120-140
आटा	32-35
सूजी	50
मैदा	40
देशी घी	600

दालें

चना दाल	85
तुअर दाल	160- 180
मलका	90-100
मूंग छिलका	100-120
मूंग मोंगर	120-130
उड़द छिलका	120-130
मसूर	80-90
उड़द मोंगर	140

मेवा

मखाना	800-1200
काजू	700-800
बादाम	600-700
चिरोंजी	2500-3000
छुआरा	200-300
पिस्ता	1600-2000
अखरोट	700-800

सराफा बाजार

सोना स्टेण्डर्ड	72200
आभूषण	66500
चांदी	83000
सिक्का	890

(नोटः जीएसटी अतिरिक्त)

►► न्यूज ब्रीफ

स्वामी आत्मानंद विद्यालय का परिणाम रहा शत-प्रतिशत

थानखम्हरिया। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा बोर्ड रायपुर द्वारा 10वीं व 12वीं के सत्र 2023-24 के बोर्ड के परिणाम गुरुवार को जारी कर दिया है। नगर में संचालित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेज़ी माध्यम विद्यालय थानखम्हरिया में अध्ययरत् छात्र- छात्राओं के परिणाम काफी बेहतर रहा। जिसमें कक्षा 10वीं की छात्रा श्रिया साहु ने 91.63त्न हासिल की और कक्षा मे प्रथम स्थान प्राप्त की साथ ही कक्षा 12वीं की छात्रा स्वाती पटेल ने 88.8त्न प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन की। अन्य सभी छात्र- छात्राओं के परिणाम भी शत् प्रतिशत रहे। जिसमें विद्यालय के प्राचार्य मनीष चौबे उप प्राचार्य शैलेष बारमते तथा विद्यालय के स्टाफ अमनदीप कौर ,प्रसन्न जायसवाल ,ममता कौशिक, आकांक्षा सिंह, रंजना मांडे,श्रेयांश, शर्मा रश्मि साहू, नारायण साहू, बाबूलाल साहू ,सीमा टंडन, हिमांशी पाली, निखिल देवांगन, मारिया अंजुम. मोना साहू ,अनिता मस्तके ,मुस्कान जयसवाल इत्यादि अध्यापकों ने बच्चों की इस सफ्लता की खूब तारीफ़ की और उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

अदिति ताम्रकार प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुई

भिलाईनगर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजेंद्र कुमार ताम्रकार की भतीजी कुमारी अदिति ताम्रकार पिता स्वर्गीय हितेंद्र ताम्रकार अधिवक्ता दुर्ग की सुपुत्री है। जो प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण कर परिवार एवं ताम्रकार समाज को गौरवान्वित किया है। उसे उनकी माता श्रीमती सीता ताम्रकार एवं बड़े भाई आयुष ताम्रकार को बहुत-बहुत बधाई। ईश्वर से हम लोगों की प्रार्थना है कि इसी तरह बच्चे आगे बढ़ते जाएं और ऊंचे शिखर तक पहुंच जाए।

अहमदाबाद-पूरी के मध्य एक फेरे के लिए समर स्पेशल ट्रेन की सुविधा

भिलाई नगर। समर के दौरान रेल यात्रियो की मांग एवं सुविधाओ को ध्यान में रखते हुए अहमदाबाद एवं पूरी (उड़ीसा) के मध्य एक अतिरिक्त फेरे के लिए समर स्पेशल ट्रेन की सुविधा दी जा रही है।09453/09454 अहमदाबाद-पूरी-पालधी समर स्पेशल की सुविधा।09453 अहमदाबाद-पूरी समर स्पेशल का परिचालन 10 मई, 2024 को अहमदाबाद से रवाना हुई । इसी प्रकार विपरीत 09454 पूरी-पालधी समर स्पेशल का परिचालन 12 मई, 2024 को इस गाड़ी का परिचालन पूरी से होगा । इस गाड़ी में कुल 22 कोच उपलब्ध रहेंगे।

पोटिया देशी शराब दुकान में चाकू मारकर युवक की हत्या

दुर्ग। पुलगांव थाना अंतर्गत पोटिया देशी शराब दुकान में बुधवार की रात एक युवक की चाकू से हमला कर हत्या कर दी गई। इस हत्या की घटना ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी। घटना की सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरु कर दी है। फिलहाल हत्याकांड का आरोपी अज्ञात है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालकर अज्ञात आरोपी तक पहुंचने के प्रयास में जुटी हुई है। आरोपी के जल्द पकड़े जाने का पुलिस ने दावा किया है। मृतक प्रमोद साहू 48 वर्ष पिता पुसाऊराम साहू अटल आवास पोटिया आदर्श नगर वार्ड 53 का निवासी था। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक प्रमोद साहू बुधवार की रात करीब 8.30 से 9 बजे के बीच मोटर सायकल पर अपने एक रिश्तेदार के साथ शराब खरीदने पोटिया देशी भट्ठी आया था। रिश्तेदार को बाहर खड़े कर प्रमोद साहू शराब लेने अंदर दुकान गया था। इस बीच शराब खरीदने को लेकर अज्ञात युवक से विवाद हो गया। इस विवाद में एक युवक ने प्रमोद साहू के गर्दन पर चाकू से हमला कर दिया। इस घटना के बाद पीड़ित को आसपास के लोगों और पुलिस के मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन खून अधिक बह जाने से प्रमोद साहू की मौत हो गई। हत्या की घटना के बाद पुलगांव थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस द्वारा आरोपी की लगभग पहचान कर ली गई है। जिससे की पुलिस ने आरोपी के जल्द पकड़े जाने की संभावना व्यक्त की है।

राजेंद्र ताम्रकार ने भूपेश बघेल को दी बधाई

भिलाईनगर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र ताम्रकार ने आज छत्तीसगढ़ माध्यमिक मंडल की परीक्षा के घोषित परिणामों में स्वामी आत्मानंद स्कूल योजना में अध्यनरत बच्चों के टॉपर बनने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को बहुत बहुत बधाई दी।उन्होने स्वामी आत्मानंद स्कूल योजना लाई।आज स्वामी आत्मानंद स्कूल की पढ़ाई रिजल्ट के रूप में आया है। और पूरे प्रदेश में 5 टॉपर में से 3 स्वामी आत्मानंद स्कूल से है।

हाईस्कूल व हायर सेकेंडरी परीक्षा की प्रावीण्य सूची में जिले के 5 विद्यार्थी शामिल

10वीं में 4 और 12वीं में 1 विद्यार्थी प्रावीण्य सूची में, कलेक्टर सुश्री चौधरी ने विद्यार्थियों को दी बधाई एवं शुभकानाएं

भिलाई (दुर्ग)(निजी)

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आज हायर सेकेण्डरी परीक्षा और हाई स्कूल का रिजल्ट घोषित किया गया है। जिसमें जिले में हाईस्कूल का परीक्षा परिणाम 76.86 प्रतिशत एवं हायर सेकेण्डरी का परीक्षा परिणाम 83.40 प्रतिशत रहा है। हाईस्कूल परीक्षा परिणाम में छत्तीसगढ़ की मेरिट सूची में दुर्ग जिले के 04 विद्यार्थी एवं हायर सेकेण्डरी परीक्षा परिणाम में छत्तीसगढ़ की मेरिट सूची में जिले के 1 विद्यार्थी स्थान बनाने में सफल रहे। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल परीक्षा में सफल विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की है। जिला शिक्षा अधिकारी अरविन्द मिश्रा से प्राप्त जानकारी अनुसार जिले में हायर सेकेण्डरी परीक्षा परिणाम में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जेवरा सिरसा दुर्ग की भावना साहू ने 12वीं में 475 अंक (95.00 प्रतिशत) के साथ प्रावीण्य सूची में 10वां स्थान प्राप्त किया है। इसी प्रकार हाई स्कूल परीक्षा परिणाम में शासकीय हाई स्कूल महकाकला की दुर्गा रानी वर्मा ने 585 अंक (97.50 प्रतिशत) के साथ प्रावीण्य सूची में 8वां स्थान, शासकीय प्रयास आवासीय विद्यालय दुर्ग की आर्य कश्यप ने 584 अंक (97.33 प्रतिशत) के साथ प्रावीण्य सूची में 9वां स्थान, खालसा पब्लिक हाई स्कूल दुर्ग की यशवंत कुमार पारकर ने 584 अंक (97.33 प्रतिशत) के साथ प्रावीण्य सूची में 9वां स्थान एवं स्वामी आत्मानंद शासकीय उच्चतर अंग्रेजी माध्यम स्कूल कुम्हारी दुर्ग की रिया साहू ने 583 अंक (97.17 प्रतिशत) के साथ प्रावीण्य सूची में 10वां स्थान प्राप्त किया है। कलेक्टर के प्रतिनिधि के रूप में एसडीएम दुर्ग मुकेश रावटे, एसडीएम भिलाई-3 महेश राजपूत, तहसीलदार प्रफुल्ल गुप्ता एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने विद्यार्थियों के घर पहुंचकर उनका मुंह मीठा कर एवं पुष्प गुच्छ भेंटकर उनकी इस सफलता पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

सरस्वती शिशु मंदिर गंडई 10वीं का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा

गंडई पंडरिया। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा कक्षा दसवीं का परीक्षा परिणाम दिनांक 09 मई को शिक्षामंत्री द्वारा घोषित किया गया। जिसमें मातेश्वरी गंगई

शिक्षा समिति द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिर गंडई कक्षा 10 वीं का परीक्षा परिणाम 94.28 प्रतिशत रहा। परीक्षा में विद्यालय से कुल 70 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए। जिसमें 66 उत्तीर्ण,02 अनुत्तीर्ण,02 पूरक हुए जिसमें प्रथम श्रेणी में 47, द्वितीय श्रेणी में 15 एवं तृतीय श्रेणी में 04भैया बहिन उत्तीर्ण हुए। विद्यालय में प्रथम स्थान भैया वैभव रत्नाकर 96 प्रतिशत, द्वितीय स्थान भैया दीपक कुमार साहू 91 प्रतिशत व भैया तेजेश सेन 88.67 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान पर रहें। सभी भैया बहनों ने सभी विषयों में विशेष योग्यता के साथ अंक प्राप्त किये। विद्यार्थियों की सफ्लता पर मातेश्वरी गंगई शिक्षा समिति के अध्यक्ष हुकुम सिंह यादव, व्यवस्थापक हेमूसोनी, सभी समिति सदस्य, प्राचार्य बलराम सिंह ठाकुर,पाली प्रमुख श्री धनऊराम पटेल व सभी आचार्य दीदीयों ने भैया बहनों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की मंगल कामना किए हैं।

रिया साहू ने 10वीं बोर्ड में टॉप टेन में 10वां स्थान प्राप्त किया

भिलाई (दुर्ग)(निजी)

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित 10 वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में स्वामी आत्मानंद विद्यालय कुम्हारी की 10 वीं की छात्रा रिया साहू ने प्रदेश में दसवां स्थान प्राप्त कर नगर का मान बढ़ाया है। रिया ने 600 अंकों में 583 अंक लेकर 97.17 प्रतिशत अंक के साथ मेरिट टॉप टेन में दसवां स्थान प्राप्त किया है। रिया ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने गुरुजनों व माता-पिता को दिया है। रिया ने बताया कि वह नियम से प्रतिदिन 5 से 6 घण्टे अपनी पढ़ाई को देती थी प्राथमिक कक्षाओं में मां ने पढ़ाया और अब पापा पढ़ाते हैं उसने कभी कोई ट्यूशन का सहारा नहीं लिया दिनभर में वह सिर्फ एक घण्टे ही जानकारी के लिए मोबाइल चलाती है। रिया के पिता मोटरसायकल रिपेयरिंग का काम करते हैं और माता गृहणी है। रिया के माता पिता बेटी की इस उपलब्धि से बेहद खुश हैं। इस मौके पर वे बेहद भावुक नजर आए उनका कहना था कि वह जो पढ़ना चाहे हम उसे पढ़ाएंगे। अपने भविष्य को लेकर रिया ने बताया कि वह जेईई और आईआईटी की तैयारी करना चाहेगी अगर सफ्लता नही मिली तो वह यूपीएससी परीक्षा की तैयारी करेगी। स्वामी आत्मानंद विद्यालय की प्रिंसिपल श्रीमती लता रघुकुमार ने बताया कि रिया प्रारम्भ से ही पढ़ने में तेज रही है और हमेशा प्रथम आती रही है।

मेवाड़ के 13वें राजा वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की मनाई गई जयंती

राजपूत क्षत्रिय समाज 3738 द्वारा शहर के सुधा वाटिका में आयोजित किया गया कार्यक्रम

भिलाई (दुर्ग)(निजी)

राजपूत क्षत्रिय समाज 3738 द्वारा गुरूवार को सुधा वाटिका परिसर में महाराणा प्रताप के प्रतिमा पर पूजा-अर्चना, पुष्पहार पहनाकर मेवाड के 13 वें राजा वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती मनाई गई। अंग्रेजी कैलेंडर अनुसार हर साल महाराणा प्रताप की जयंती 9 मई को मनाई जती है। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सदस्य भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

राजपूत क्षत्रिय समाज के नगर अध्यक्ष चंद्रिका सिंह ठाकुर, भूपेन्द्र सिंह, पंकज सिंह, जितेन्द्र सिंह, मनोज सिंह, दुर्गेश सिंह ने संबोधित करते हुए बताया कि महाराणा प्रताप भारत के सबसे बहादूर राजपूत शासकों में एक थे, जिन्होंने लगाभग 35 वर्षो तक राजस्थान के मेवाड़ पर शासन किया था। इस अवसर पर पूर्व नगर अध्यक्ष रामसिंह ठाकुर, खुमान सिंह, विजय सिंह राजपुत, मालिक राम ठाकुर, सुनील सिंह ठाकुर, हेमलाल ठाकुर, नितेश सिंह, मोहन सिंह, अजय सिंह ठाकुर, सुमित सिंह ठाकुर, अमन ठाकुर, ध्रुव, हरि, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के परस चंद्राकर, संजय धुव्र, अभिषेक दुबे, अतुल पाण्डेय सहित राजपूत क्षत्रिय समाज के पदाधिकारी उपस्थित थे।

भारत के सबसे मजबूत योद्धा थे महाराणा प्रताप : राजपूत क्षत्रिय समाज 3738 कवर्धा परिक्षेत्र के मीडिया प्रभारी अमन ठाकुर ने बताया कि महाराणा प्रताप को भारत के अब तक के सबसे मजबूत योद्धाओं में से एक माना जाता है। इसलिए उन्हें मांउटेन मैन भी कहा जाता है। महाराणा प्रताप 2.26 मीटर (7 फीट 5 इंच) लंबे थे। वह 72 किलो ग्राम वजनी बॉडी आर्मर यानी कवच भी पहनते थे। 81 किलो का भाला रखते थे। इसके अलावा उनके पास दो वजनी तलवारे भी थी। कुल मिलाकर लगभग 208 किलोग्राम वजन वह अपने साथ लेकर चलते थे।

सबकी नजर राजनांदगांव सीट पर संतोष पाण्डेय दो लाख वोटों से अधिक की जीत दर्ज करेंगे: विजेन्द्र सिंह ठाकुर

भिलाई (दुर्ग)(निजी)

डोंगरगढ़ विधानसभा क्षेत्र के मीडिया प्रभारी एवं जिला किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष विजेंद्र सिंह ठाकुर ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर आगामी 4 जून को समूचे भारत साहित छत्तीसगढ़ में भी लोगों की नजर होगी साथ ही पूरे प्रदेश की नजर राजनांदगांव सीट पर केंद्रित होगी विजेंद्र सिंह ठाकुर ने कहा तब मतगणना के चलते यह स्पष्ट हो जाएगा की आम जनता मोदी के कार्यशैली कार्य कुशलता से संतुष्ट होते हुए भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में स्वयं अपने घरों से निकलकर भारी मतदान किया है।

राजनांदगांव के लिए 4 जून ऐतिहासिक साबित होगा क्योंकि इस दिन छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री जिसे विधानसभा चुनाव में जनता पहले ही नकार चुकी है कांग्रेस को राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र से भारी मतों से किस प्रकार से राजनांदगांव की जनता हराती है उसे छत्तीसगढ़ के साथ-साथ पूरा भारत देखेगा की एक आम परिवार का एक आम आदमी जिसे पूर्व में राजनांदगांव की जनता ने आशीर्वाद देते हुए सांसद चुना था फिर एक बार संतोष पाण्डेय जैसे आम आदमी ने किस प्रकार से तानाशाह कर छत्तीसगढ़ को बर्बाद करने वाले व्यक्ति को पछड़ कर भारी मतों से जीता कर राजनांदगांव जिले की जनता इतिहास बनाने के लिए भारी मतदान किया है 4 जून को पूरे भारत का रुझान भी भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में आते हुए हम सब देखेंगे कांग्रेस के लोग कहते रहे की राजनांदगांव क्षेत्र में कांग्रेस बहुत मजबूत होगी किंतु कांग्रेस के लोग यह भूल रहे थे की भूपेश बघेल के नेतृत्व में ही छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का थुपड़ा साफहुआ है पूरे प्रदेश का खलनायक भूपेश बघेल को ही माना जा रहा था तो फिर राजनांदगांव की जनता इन्हें कैसे बर्दाश्त करेगी विजेंद्र सिंह ठाकुर ने कहा कांग्रेस के लोग बेवजह का अफ्वाह फैला कर छत्तीसगढ़ के शांत माहौल को आरक्षण के आग में झोकने का प्रयास किया किंतु छत्तीसगढ़ की शांतिप्रिया जनता ने शांति बनाते हुए आरक्षण ,जात ,पात से ऊपर उठकर मोदी की गारंटी विकास की रहा को चुना हम सब ने देखा छत्तीसगढ़ की जनता ने भारतीय जनता पार्टी के प्रत्येक सभाओं में स्वयं अपनी उपस्थिति दर्ज कराई विजेंद्र सिंह ठाकुर ने कहा राजनांदगांव जिले की जनता ने गांव, शहर के बूथ पर किस प्रकार से सक्रियता से मतदान की है यह हम सब ने देखा है।

भिलाई में फांसी पर झूला युवक

7 पन्नों के सुसाइड नोट में लिखा पत्नी से था परेशान जांच में जुटी पुलिस

भिलाई (दुर्ग)(निजी)

छावनी थाना क्षेत्र के कैंप क्षेत्र में रहने वाले एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक शादीशुदा था लेकिन उसकी पत्नी उसके साथ नहीं थी। युवक का तलाक का भी केस चल रहा है जिसकी गुरुवार को पेशी थी। पेशी में जाने से पहले युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक ने मरने से पहले सात पन्नों का एक सुसाइड नोट छोड़ा है जिसमें पत्नी से परेशान होने की बात का जिक्र है। फ्लिहाल मामले में छावनी पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार जागृति चौक कैंप दो निवासी सुमित कुमार गिरी ने बुधवार की रात को फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। गुरुवार सुबह युवक की लाश उसके कमरे में पंद्दे पर लटकती मिली। घरवालों की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल के मरच्यूरी में भेजा। पुलिस ने घटनास्थल से एक सुसाइड नोट बरामद किया। मृतक सुमित गिरी ने मरने से पहले 7 पन्नों का सुसाइड नोट छोड़ा है।पुलिस के मुताबिक सुसाइड नोट में मृतक ने अपनी पत्नी से परेशान होकर खुदकुशी करने की बात लिखी है। सुमित गिरी की 2019 में उनकी शादी हुई। शादी के बाद ही एक महीने बाद लड़की ने ससुराल वालों के साथ रहने से मना कर दिया जिसकी वजह से पति के साथ अलग से किराए के मकान में रहने लगी कुछ ही समय बाद जुड़वा बच्चे हुए। पत्नी अपने दोनों बच्चों को लेकर दूसरी जगह रहने लगी थी। सुमित जब उनसे मिलने जाता तो वो उसे बच्चों ने मिलने नहीं देती थी। इससे वो मानसिक रूप से परेशान रहता था। इसके बाद दोनों के बीच तलाक की अर्जी भी लगी। तलाक केस में 9 मई को पेशी होनी थी। इसके कारण भी वह काफी परेशान था और इसी वजह से यह कदम उठाया।इधर इस मामले में मृतक की पत्नी के मायके वालों ने प्रताड़ना का आरोप लगाया है। मृतक के ससुर का कहना है कि सुमित के घर वाले अनीता को परेशान करते थे। कोई काम करने पर सुमित की जेठानी रोक-टोक करती थी। जिसकी वजह से वह काफी परेशान थी इस वजह से झगड़ा बढ़ता था।

विधायक गजेंद्र ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव को बताया दुर्ग लोस में भाजपा की जीत सुनिश्चित

भिलाई (दुर्ग)(निजी)

प्रदेश में लोकसभा चुनावों की समाप्ति उपरांत शहर विधायक गजेंद्र यादव छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से सीएम हाउस में मुलाकात कर, चुनाव सम्बन्धित चर्चा किये और बताया कि दुर्ग की जनता का अपार जनसमर्थन भाजपा लोकसभा प्रत्याशी विजय बघेल के साथ है। हम छत्तीसगढ़ की, 11 की 11 सीटें जीत कर एक बार फिर, केंद्र में मोदी सरकार बनाने जा रहे हैं। विधायक गजेंद्र यादव ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से चर्चा में बताया की चुनाव प्रचार के दौरान कोरबा, जांजगीर चाम्पा, महासमुन्द, राजनांदगांव, बिलासपुर, बस्तर लोकसभा क्षेत्र का दौरा कर विभिन्न कार्यक्रम में शामिल हुआ। स्वच्छ एवं मजबूत लोकतंत्र के लिए देशहित में मजबूत और विकसित भारत बनाने हेतु स्वजातीय बंधुओ व सामाजिक संगठनो के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर भाजपा के पक्ष में मतदान करने समर्थन माँगा। छत्तीसगढ़ की जनता का मोदी सरकार के प्रति प्रगाढ़ विश्वास ही 11 की 11 लोकसभा सीट पर जीत दिलाएगी और दिल्ली में तीसरी बार मोदी सरकार बनेगी।

निर्वाचन ड्यूटी में मृत महिला कर्मचारी के परिजन को अनुग्रह राशि भुगतान करने की मांग

भिलाई (दुर्ग)(निजी)

लोकसभा निर्वाचन के दौरान दुर्ग जिला अंतर्गत वैशाली नगर विधानसभा के मतदान केंद्र क्रमांक 205 में मतदान अधिकारी क्रमांक 01 की भूमिका निभाने वाली मधु बंजारे का घर वापसी के दौरान सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने पर छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन जिला इकाई दुर्ग के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश महामंत्री ओम प्रकाश पाण्डेय एवं जिला अध्यक्ष शत्रुघ्न साहू के नेतृत्व में जिला स्तरीय प्रतिनिधिमंडल जिला निर्वाचन अधिकारी दुर्ग की अनुपस्थिति में वैशाली नगर विधानसभा के निर्वाचन अधिकारी हरवंश कुमार मिरी से मुलाकात कर मृतक महिला कर्मचारी मधु बंजारे के परिजनों को निर्वाचन आयोग की तरफ से देय अनुग्रह राशि का भुगतान अति शीघ्र करने की मांग रखी। जिस पर वैशाली नगर विधानसभा के निर्वाचन अधिकारी एवं संयुक्त कलेक्टर हरवंश कुमार मिरी ने अनुभागीय दंडाधिकारी भिलाई 3 से जांच रिपोर्ट मंगाए जाने की बात कही है । जांच रिपोर्ट प्राप्त होते ही राज्य निर्वाचन आयोग को अनुग्रह राशि भुगतान हेतु अविलंब प्रस्ताव भेजने की बात कही है। अधिकारियों से मुलाकात करने वाले प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के दुर्ग जिला उपाध्यक्ष कमल वैष्णव, निजामुद्दीन साबरी, जयंत यादव, वीरेंद्र कुमार वर्मा, संजय चंद्राकर, किशन देशमुख, मदन साटकर, सालिकराम ठाकुर, वर्षा हरिहरनों, नीलू थापा, सतीश यादव, राहुल झा, अनुराग श्रीवास्तव, चुने राम साहू, मधु वर्मा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बारहवीं बोर्ड परीक्षा में जिले के विद्यार्थियों ने लहराया परचम

टॉप-10 में यमुना और रिफा जावेरी ने बारहवीं बोर्ड परीक्षा में नौवा स्थान हासिल कर बनाया दबदबा, कलेक्टर ने विद्यार्थियों की सफलता के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी

भिलाई (दुर्ग)(निजी)

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा जारी कक्षा बारहवीं के परीक्षा परिणाम में कबीरधाम जिले के 02 विद्यार्थियों ने टॉप-10 में स्थान प्राप्त कर बाजी मारी है। कक्षा बारहवीं के 02 विद्यार्थी ने नौवा स्थान बनाकर प्रदेश में कबीरधाम जिले का नाम रौशन किया है। कक्षा बारहवीं बोर्ड परीक्षा में सर्वोच्च अंक पाकर प्रदेश में कबीरधाम जिले का नाम रौशन करने वाले विद्यार्थियों को कलेक्टर श्री जनमेजय महोबे ने बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

कक्षा 12 वीं बोर्ड परीक्षा में स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल बोड़ला की छात्रा यमुना ने जिले में सर्वोच्चतम 95.20 प्रतिशत हासिल कर प्रदेश के टॉप टेन सूची में नौवा स्थान पर अपना मुकाम बनाया है। वहीं स्वामी आत्मानंद

शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल कवर्धा की छात्रा रिफा जावेरी ने 95.20 प्रतिशत प्राप्त कर टॉप टेन सूची में 09 स्थान पर अपना मुकाम बनाया है। कलेक्टर श्री जनमेजय महोबे ने जिले के विद्यार्थियों की सफ्लता पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कलेक्टर ने कहा कि कबीरधाम हायर सेकेण्डरी की परीक्षा परिणाम में जिले के 02 विद्यार्थियों ने टॉप-10 में जगह बनाकर जिले को गौरवान्वित किया है। उन्होंने जिले के सभी सफ्ल विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने अनुत्तीर्ण हुए छात्रों के लिए भी संदेश जारी किया है। उन्होने कहा कि अपने लक्ष्य को पाने के लिए कड़ी मेहनत करें, असफ्ल होने पर निराश नही होना चाहिए, पुनः प्रयास करना चाहिए। हार नहीं मानना चाहिए। कड़ी परिश्रम और सच्चे लगन से पढ़ाई करेंगे और शिक्षकों के द्वारा दिए गए मार्गदर्शन पर चलेंगे तो सफ्लता जरूर मिलेगी। परीक्षा परिणामों से किसी भी विद्यार्थियों को हताशा एवं निराशा नहीं होनी चाहिए।

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में 15 मई को लॉटरी के माध्यम से होगी चयन प्रक्रिया

कवर्धा। जिले के स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय कवर्धा, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय कचहरीपारा कवर्धा, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय पिपरिया, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय बोड़ला, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय पोडी, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय चिल्फी, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय स. लोहारा एवं स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय पंडरिया में ऑनलाईन, ऑफ्लाईन के माध्यम से प्रवेश के लिए आवेदन किया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी श्री साहू ने बताया कि बच्चो के प्रवेश के लिए ऑफ्लाईन लॉटरी के माध्यम से 15 मई 2024 को दोपहर 12 बजे संबंधित स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में प्रबंधन समिति के सदस्यां, कलेक्टर प्रतिनिधि अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार, संबंधित विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी एवं सहायक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी की उपस्थिति में चयन प्रकिया पूर्ण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि चयन प्रकिया में पालकगण उपस्थित रह सकते है।

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय बेमेतरा का परीक्षा परिणाम रहा उत्कृष्ट

बेमेतरा। हाई स्कूल एवं हायर सेकंडरी परीक्षा 2024 के परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय बेमेतरा का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा। संस्था की प्राचार्य कविता बाचपेई ने सफ्ल विद्यार्थीयों एवं शिक्षकों को अच्छे परिणाम के लिए अपनी हार्दिक बधाई प्रदान की साथ ही असफ्ल विद्यार्थियों को दुगुने उत्साह के साथ पुन: प्रयास करने और भविष्य मे अच्छी सफ्लता प्राप्त करने की शुभकामनाएँ प्रेषित की।

पुलिस ने अंतरराज्यीय शराब तस्कर को पकड़ा

45 पेटी मध्यप्रदेश निर्मित गोवा व्हिस्की अंग्रेजी शराब कुल 405 बल्क लीटर जब्त

भिलाई (दुर्ग)(निजी)

पुलिस अधीक्षक खैरागढ़-छुईखदान-गंडई त्रिलोक बंसल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नेहा पाण्डेय के निर्देशन पर पुलिस अनुविभागीय अधिकारी लालचंद मोहले के दिशा निर्देश में साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक अनिल शर्मा एवं थाना प्रभारी गातापार उप निरीक्षक देवाराम भास्कर के नेतृत्व में नशे एवं अपराधिक गतिविधियों पर लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है।

इसी क्रम में दिनांक 09/05/2024 को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुआ कि एक सफेद रंग के स्वीफ्ट कार में अवैध रूप से अत्यधीक मात्रा में मध्यप्रदेश निर्मित शराब रखकर मध्य प्रदेश के लांजी से छत्तीसगढ सीमा की ओर से आ रही है, कि सूचना पर वरिष्ठ अधिकारियों से दिशा निर्देश प्राप्त कर थाना गातापार एवं सायबर सेल की संयुक्त टीम तैयार कर गातापार एवं घाघरा चेक पोस्ट में कडी नाकाबंदी कर घाघरा एवं गातापार के मध्य पेण्ट्रोलिग के दौरान घाघरा नाला के पास संदिग्ध् अवस्था में अंधेरे में एक स्वीफ्ट कार खडी हुई मिली कार का चालक पुलिस पार्टी को देखकर संदिग्ध रूप से भागने लगा जिसे स्टाप के द्वारा घेराबंदी कर पकड कर नाम पता पुछने पर अपना नाम ढाल सिंह विश्वकर्मा पिता जीवन विश्वकर्मा उम्र 26 साल साकिन मुढिया मोहारा चौकी मोहारा थाना डोगरगढ जिला राजनांदगांव का होना बताया मौके पर विधिसम्मत कार्यवाही कर मौके पर स्वीफ्ट कार को चेक करने पर गाडी के डिक्की एवं पीछे सीट पर 12 पेटीयों में 144 बोतल सभी बोतलों में 750 एमएल शराब भरा हुआ कुल 108 बल्क लीटर मध्यप्रदेश निर्मित गोवा व्हिस्की अंग्रेजी शराब कीमती 64080 रूपये मिला उक्त व्यक्ति के पास मध्यप्रदेश निर्मित शराब परिवहन के संबंध में वैद्य दस्तावेज नही होने से उसके कब्जे में रखे शराब एवं घटना में प्रयुक्त कार क्र. सीजी 04 एचके 0905 कीमती 400000 रू. कुल 464080 रूपये को जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया, आरोपी का कृत्य आबकारी अधिनियम के अंतर्गत अपराध पाये जाने से आरोपी के विरूद्ध अपराध क्र. 18/24 धारा 34(2) आबकारी एक्ट, कायम कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण के कार्यवाही के दौरान ही मुखबीर से सूचना मिली की मध्यप्रदेश की ओर से एक सफेद रंग के स्कार्पियों में मध्यप्रदेश निर्मित शराब भारी मात्रा में परिवहन छत्तीसगढ की ओर किया जा रहा है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक **बृजभाल पाण्डेय (मनोज)** द्वारा असमां पलिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड जयस्तंभ चौक रायपुर छीसगढ़ से मुद्रित एवं मकान नं. 35 वार्ड नं. 26 जनता मार्केट
कैप 02 भिलाई - 49200जिला दुर्ग, छीसगढ़ से प्रकाशित। सपादक - **बृजभाल पाण्डेय (मनोज)** सह संपादक- **राजेंद्र गुप्ता**। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रायपुर छीसगढ़ रहेगा) Email-bulandmedia@gmail.com